लखनऊ
मंगलवार, 23 जून, 2026
वर्ष : 11 । अंक: 297
मूल्य : 1 रुपये
पृष्ठ : 8
UPHIN/2014/57034

हिंदी दैनिक

आर्यावर्त क्रांति

भगवान ने सिर्फ दो ही रास्ते दिए हैं। या तो देकर जाइए या फिर छोड़कर जाइए। साथ ले जाने की कोई व्यवस्था नहीं है इसलिए सदा प्रसन्न रहें।

TODAY WEATHER

DAY 41° Hi | NIGHT 29° Low

संक्षेप

सीएम शुभेंदु बोले- सिंडिकेट राज खत्म, विकास को मिलेगी रफ्तार,टीएमसी सांसद ने डीए दर पर क्या सवाल पूछा?

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को अपना पहला बजट पेश किया। यह बजट पत्रकार से राजनेता बने स्वपन दासगुप्ता ने पेश किया। सरकार ने वित्त वर्ष 2026-2027 के लिए 4,38,775.29 करोड़ रुपये का बजट रखा। बजट पेश होने से पहले मंत्री अग्निमित्रा पॉल कहा कि हम जनता के भारी जनादेश का सम्मान करते हैं और उन्हें निराश नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस बजट को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि यह बंगाल की खोई हुई संस्कृति और सम्मान को वापस लाने की एक कोशिश है। मुख्यमंत्री ने बजट के बाद मीडिया वार्ता में कहा कि नागरिकों को डर से मुक्त माहौल देना सरकार की प्राथमिकता है। बजट में राज्य की सुरक्षा, शिक्षा और कृषि पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार का लक्ष्य राज्य में सिंडिकेट राज और अवैध वसूली को पूरी तरह खत्म करना है। इसके साथ ही व्यापार और कला-शिल्प के लिए बेहतर माहौल तैयार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने दावा किया कि इस बजट में समाज के हर वर्ग का ख्याल रखा गया है। सरकारी कर्मचारियों के लिए बजट में बड़ी खुशखबरी दी गई है। उनके महंगाई भत्ते (DA) में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी की गई है। अब कुल डीए 38 प्रतिशत हो जाएगा, जो एक अक्टूबर से लागू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा ने केंद्र के बराबर डीए देने का वादा किया था। उन्होंने इसके लिए थोड़ा समय मांगा और कहा कि सरकार बाकी बचे 22 प्रतिशत के अंतर को भरने के लिए प्रतिबद्ध है।

'उद्धव ठाकरे से शिकायत नहीं, अविश्वास ने तोड़ा दिल': बागी सांसद नागेश आष्टीकर ने बताई पार्टी छोड़ने की वजह

मुंबई, एजेंसी। शिवसेना (यूबीटी) के बागी सांसद नागेश पाटिल आष्टीकर ने पार्टी छोड़ने के अपने फैसले पर चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने एक वीडियो संदेश में साफ किया कि उन्हें पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे से कोई व्यक्तिगत शिकायत नहीं है। उद्धव ठाकरे ने उन्हें हमेशा बहुत स्नेह दिया है। लेकिन 18 जून की बैठक के बाद पार्टी के भीतर जो हालात बने, उन्होंने उन्हें यह कदम उठाने पर मजबूर कर दिया।

आष्टीकर ने बताया कि 18 जून को जब कुछ सांसदों ने संसदीय दल की बैठक में हिस्सा नहीं लिया, तो उनके खिलाफ बहुत कड़वी भाषा का इस्तेमाल किया गया। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने उन पर अविश्वास जताया।

आष्टीकर के अनुसार, वे 18 जून तक कहीं नहीं गए थे, लेकिन नेताओं के व्यवहार और अपमानजनक शब्दों ने उन्हें और उनके साथियों को बहुत ठेस पहुंचाई। उन्होंने अपने साथी सांसदों के साथ चर्चा की और इस नतीजे पर पहुंचे कि अब इस पार्टी में रहने का कोई मतलब नहीं है। पार्टी छोड़ने का दूसरा बड़ा कारण उन्होंने अपने क्षेत्र हिंगोली का विकास बताया।

आष्टीकर ने कहा कि सांसद निधि के रूप में मिलने वाले 5 करोड़ रुपये विकास कार्यों के लिए काफी नहीं हैं। क्षेत्र की जनता की बहुत उम्मीदें होती हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सत्ता पक्ष में नहीं होते, उन्हें नगर पंचायत, जिला परिषद और वन विभाग जैसे प्रोजेक्ट्स के लिए पर्याप्त फंड नहीं मिलता।

अलीगंज के कोचिंग में लगी आग पर पा लिया गया काबू, 10 छात्र अंदर फंसे, जलते हुए छज्जे से कूदे बच्चे

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अलीगंज थाना क्षेत्र में एक प्राइवेट कोचिंग में आग लग गई है। एक चश्मदीद ने खुद को सेकेंड फ्लोर से रेस्क्यू किया। साथ ही बताया कि शॉर्ट सर्किट की वजह से कोचिंग में आग लगी। बताया जा रहा है कि कोचिंग के ग्राउंड फ्लोर पर पेट क्लिनिक था, जहां से कई कैट्स को भी रेस्क्यू किया गया। ये कोचिंग अलीगंज के पुरनिया इलाके में स्थित उषा मेहता मार्ग (बी/2, सेक्टर डी) पर एक इमारत में संचालित हो रहे प्राइवेट कोचिंग संस्थान में अचानक भीषण आग लग गई। आग लगते ही पूरे इलाके में भीषण अफरा-तफरी और चीख-पुकार मच गई। देखते ही देखते पूरी इमारत काले धुएं के गुबार और तेज लपटों से घिर गई, जिससे कोचिंग के अंदर पढ़ रहे करीब 10 छात्र-छात्राएं वहीं फंस गए।

सीएम योगी ने लिया संज्ञान, 8 गाड़ियों ने पाया काबू

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तत्काल इसका संज्ञान लिया। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन और दमकल विभाग के आला अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने के निर्देश दिए। उन्होंने राहत एवं बचाव कार्य में तेजी लाने, घायलों को तत्काल उचित उपचार उपलब्ध कराने और पूरी स्थिति की सतत मॉनिटरिंग (सतत निगरानी) करने के कड़े आदेश जारी किए। सीएम ने घायलों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की कामना भी की है।

छत पर लगा था ताला, मौके पर मौजूद एंबुलेंस

कोचिंग में काम करने वाली महिला ने बताया कि छत पर ताला लगा हुआ था। इसकी वजह से छात्र छत पर नहीं जा सके। ताजा अपडेट के अनुसार, मौके पर मौजूद एंबुलेस से छात्रों को अस्पताल पहुंचाया जा रहा है। मौके पर मेडिकल की भी टीम मौजूद थी।

मौके पहुंचे डिप्टी सीएम ब्रजेश त्रिपाठी

मौके पर पहुंचे डिप्टी सीएम ने भी कोचिंग में आग की घटना का संज्ञान लिया। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता बच्चों की जान बचानी है। सेकेंड फ्लोर की दीवार को तोड़कर बच्चों को बचाने की कोशिश की जा रही है। साथ ही अभी तक के अपडेट के अनुसार, किसी भी बच्चे के फंसे रहने की संभावना नहीं है।

कोई भी बच्चा फंसा नहीं

लगभग 10 बच्चे फंसे थे। फायर टीम की ओर उम्मीद जता रही है कि कोई भी बच्चा फंसा नहीं है, मगर फिर भी अंदर पहुंचकर तफ़तीश करने की कोशिश कर रही है। सभी घायल बच्चों को अस्पताल पहुंचाने की कोशिश जारी है। साथ ही बताया जा रहा है कि कोचिंग के फ्रंट से आग बुझा दिया गया है। साथ ही अंदर में आग बुझाने की मशक्कत की जा रही है। किसी भी प्रकार की हताहत की खबर नहीं है।

फायर ब्रिगेड की टीम कोचिंग के अंदर घुसने की कोशिश कर रही

चश्मदीदों ने बताया कि फायर-फाइटर्स के आने से पहले ही आग विकराल रूप ले ली थी। कुछ बच्चों के शरीर में आग लग गई थी, जिसके बाद वे जान बचाने के लिए छज्जे से कुद गए। ताजा अपडेट के अनुसार, फायर ब्रिगेड की टीम कोचिंग के अंदर घुसने की कोशिश कर रही है। मौके पर डीएम समेत तमाम अला अधिकारी मौजूद हैं।

जब अखिलेश के ही दांव को योगी ने 'बुलडोजर' से कर दिया ध्वस्त!

फायर ब्रिगेड ने अपडेट दिया कि आग पर काबू पा लिया गया है। किसी प्रकार की हताहत की खबर नहीं हैं। कितने बच्चों को रेस्क्यू किया गया है अभी तक मालूम नहीं चल पाया है। साथ ही बताया जा रहा है कि फायर ब्रिगेड की टीम अंदर जांच पड़ताल कर रही है। कुछ बच्चों को गंभीर चोटें आईं हैं।

बच्चों को बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला

चश्मदीदों के मुताबिक, नीचे की दुकान में लगी आग इतनी तेजी से ऊपर फैली कि बच्चों को बाहर निकलने का रास्ता नहीं मिला। दम घुटने और आग की तपिश बढ़ने के कारण अपनी जान बचाने के लिए छात्र-छात्राएं और वहां मौजूद लोग इमारत के छज्जे और छत से नीचे कूदने लगे। इस खौफनाक मंजर को देखकर स्थानीय लोग तुरंत मदद के लिए दौड़े और पुलिस व दमकल विभाग को सूचित करते हुए खुद भी राहत-बचाव कार्य में जुट गए। सुरक्षा के मद्देनजर प्रशासन ने तुरंत आस-पास की पूरी जगह को खाली करा दिया।

फिरोजाबाद को सीएम योगी ने दी 658 करोड़ की सौगात, कहा-

अब माफिया और अराजकता से मुक्त हो चुका है उत्तर प्रदेश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

फिरोजाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि प्रदेश अब माफिया, गुंडागर्दी और अराजकता से मुक्त हो चुका है और आज उत्तर प्रदेश में ₹नो कर्फ्यू, नो दंगा₹ की स्थिति है और जब सब कुछ अच्छा होता है तो उपद्रव नहीं, बल्कि उत्सव होते हैं। मुख्यमंत्री फिरोजाबाद में 658 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 81 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के बाद आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने वर्ष 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि आज भाजपा की डबल इंजन सरकार ₹एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज₹ और ₹एक जिला, एक उत्पाद₹ जैसी योजनाएं दे रही है, जबकि समाजवादी पार्टी के शासन में ₹एक जिला, एक माफिया₹ की स्थिति थी। योगी ने आरोप लगाया कि उस दौर में माफिया तत्व सरकारी भूमि पर कब्जा करने, अराजकता फैलाने और प्रदेश को नुकसान पहुंचाने के लिए जाने जाते थे।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी रामनवमी, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी और कांवड़ यात्रा जैसे धार्मिक आयोजनों का विरोध करती थी तथा आम लोगों को भी कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता था। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, बसपा और सपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि ये दल अंधेरे में रहने के आदी थे, क्योंकि उस समय भ्रष्टाचार और लूटपाट को बढ़ावा मिलता था। उन्होंने कहा कि यही कारण था कि वे प्रदेश में बिजली व्यवस्था को बेहतर नहीं बनाना चाहते थे।

वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण उद्योग क्षेत्र ने प्राप्त की नई गति

उन्होंने कहा कि प्रतिभा पहले भी मौजूद थी, लेकिन वर्ष 2017 से पहले उसे उचित मंच और प्रोत्साहन नहीं मिल पाया था। वर्तमान सरकार की नीतियों के कारण उद्योग क्षेत्र ने नई गति प्राप्त की है। लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर का स्मरण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी प्रतिमाएं प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर स्थापित की गई हैं। उन्होंने उन्हें भारतीय विरासत और धार्मिक पुनर्जागरण की प्रेरणा बताया। योगी ने कहा कि सनातन धर्म की चर्चा होने पर फिरोजाबाद की पहचान भी प्रमुखता से सामने आती है और सुहागनगरी इस दिशा में नई ऊंचाइयों को छू रही है।

इस अवसर पर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि बेहतर बुनियादी ढांचे, मजबूत कनेक्टिविटी और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के कारण उत्तर प्रदेश एक प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2017 में जहां प्रदेश में प्रतिवर्ष लगभग 23 करोड़ पर्यटक आते थे, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पिछले वर्ष दिसंबर तक यह संख्या बढ़कर 166 करोड़ तक पहुंच गई। उन्होंने कहा कि इससे उत्तर प्रदेश की पहचान वैश्विक स्तर पर मजबूत हुई है। समारोह को विधायक मनीष असीजा सहित कई अन्य जनप्रतिनिधियों और गणमान्य व्यक्तियों ने भी संबोधित किया।

समाजवादी पार्टी के एजेंडे में विकास शामिल नहीं : CM

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के एजेंडे में विकास शामिल नहीं है। उनके अनुसार, समाज को बांटना, सामाजिक एकता को कमजोर करना, गुंडागर्दी को बढ़ावा देना, गरीबों के हितों की अनदेखी करना और विकास कार्यों में बाधा डालना उनकी राजनीति का हिस्सा रहा है। योगी ने आरोप लगाया कि सपा शासन में प्रत्येक जिले में एक प्रभावशाली माफिया सक्रिय रहता था, जो गरीबों की जमीनों पर कब्जा करता था, व्यापारियों से अवैध वसूली करता था और भय तथा अराजकता का माहौल बनाता था। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में विकास कार्यों को आगे बढ़ा रही है, लेकिन इसका वास्तविक श्रेय प्रदेश की जनता को जाता है। उन्होंने कहा कि जब जनता सही निर्णय लेकर मतदान करती है तो उसके परिणामस्वरूप विकास और सुशासन मिलता है। फिरोजाबाद के कांच उद्योग की सराहना करते हुए योगी ने कहा कि एक समय त्योहारों के दौरान चीन निर्मित उत्पाद बाजारों में छाए रहते थे, लेकिन अब यहां के कारीगर आधुनिक तकनीक और अपने कौशल के बल पर राम दरबार, राधा-कृष्ण और भगवान शिव की आकर्षक प्रतिमाएं तैयार कर रहे हैं, जिन्हें देशभर में सराहना मिल रही है।

23 जून के बाद मॉनसून फिर से होगा सक्रिय! मौसम विभाग का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी। देश के कुछ इलाकों में भारी बारिश हो रही है, जबकि कुछ इलाकों में चिलचिलाती गर्मी पड़ रही है। पूरे देश में मौसम की स्थिति अलग-अलग है। उत्तर और मध्य भारत में तेज गर्मी और लू का असर जारी है। इस बीच मौसम विभाग ने उत्तर-पूर्वी, दक्षिणी और कुछ पूर्वी राज्यों में बारिश, गरज के साथ बारिश और तेज हवा का अलर्ट जारी किया है।

भारत में 21 जून को बारिश में 51 फीसदी की कमी दर्ज की गई, जिसमें नॉर्मल 6.4 एमएम के मुकाबले 3.1 एमएम बारिश हुई। एक्सपर्ट्स इस कमी को इक्वेटोरियल पैसिफिक में समुद्र की सतह के बढ़ते टेम्परेचर से जोड़ रहे हैं, जहाँ टेम्परेचर अभी नॉर्मल से 0.7 से 1.8 डिग्री सेल्सियस ज़्यादा है। गर्म होता पानी एल नीनो की स्थिति को मजबूत कर रहा है और ट्रेड विंड्स को कमजोर कर रहा है जो भारत में मॉनसून की बारिश लाने में मदद करती है। मौसम एक्सपर्ट्स ने चेतावनी दी है कि अगर गर्मी का ट्रेंड जारी रहा, तो आने वाले महीनों में एक मज़बूत या सुपर एल नीनो भी बन सकता है।

एनवायरनमेंटलिस्ट राजेश पॉल ने कहा कि अभी जो कमी है, वह मुख्य रूप से कमजोर मॉनसून सर्कुलेशन, बंगाल की खाड़ी में लो-प्रेशर सिस्टम की कमी, खराब मैडेन-जूलियन ऑसिलेशन पोजिशनिंग और ब्रेक-मॉनसून जैसे हालात की वजह से है।

अगर जून के आखिर और जुलाई की शुरुआत में हालात सुधरते हैं, तो स्थिति ठीक हो सकती है। अगर अगले 1-2 हफ्तों में एक मजबूत एक्टिव फेज बनता है, तो अभी की कमी की ज़्यादातर भरपाई हो सकती है।

टीएमसी ने बंगाल को बर्बाद किया, भाजपा ला रही दूसरी आज़ादी : गिरिराज सिंह

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के राजनीतिक इतिहास पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बातों का समर्थन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि बंटवारे के बाद कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बाद में राज्य को उसके हाल पर छोड़ दिया। बंटवारे के समय हुई हिंसा का ज़िक्र करते हुए, सिंह ने कहा कि उस दौर में बंगाल को बचाने में श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की नीतियों की वजह से 1946 के ज़ख्म (डायरेक्ट एक्शन डे के दौरान हुई हिंसा) बने रहे।

सिंह ने पत्रकारों से कहा कि बंटवारे के समय श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने बंगाल को बचाया था। लेकिन कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद भी '1946 के घाव' - यानी 'डायरेक्ट एक्शन डे' के नाम पर हिंदुओं पर हुए हमले और नरसंहार - बने रहे। कांग्रेस ने तुष्टिकरण की राजनीति की और बंगाल को पूरी तरह से उसके हाल पर छोड़ दिया। आखिरकार, टीएमसी ने लूट-पाट करके इसे लगभग बर्बाद ही कर दिया। अब जब BJP आ गई है, तो वहां के लोग इसे दूसरी आज़ादी जैसा महसूस कर रहे हैं और जश्न मना रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के अंदर फंड से जुड़े कथित विवाद पर पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए सिंह ने कहा कि ममता बनर्जी, जो खुद को सिर्फ़ चप्पल और साड़ी पहनने वाली एक साधारण महिला के तौर पर पेश करती थीं, असल में लूट-खसोट वाले शासन की अगुवाई कर रही थीं, जिसमें उनके मंत्रियों से लेकर नीचे तक के सभी लोग शामिल थे। अब यह सब सामने आ रहा है। शनिवार (20 जून) को पश्चिम बंगाल के हुगली ज़िले के तारकेश्वर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने कहा कि युवा पीढ़ी को 'पश्चिम बंगाल दिवस' के महत्व और राज्य के गठन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के बारे में जागरूक किया जाना चाहिए। उन्होंने बंटवारे के समय की घटनाओं का ज़िक्र करते हुए कहा कि उस दौरान अविभाजित बंगाल को पाकिस्तान में शामिल करने की कोशिशें की गई थीं। उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे नेताओं ने ऐसी कोशिशों का विरोध किया और इसके ख़िलाफ़ ज़ोरदार आवाज़ उठाई। पीएम मोदी ने कहा था कि हमें आज की पीढ़ी को बार-बार पश्चिम बंगाल दिवस के महत्व के बारे में बताना होगा।

मुंबई में 2 दिन की लगातार बारिश से गर्मी से राहत मिली, लेकिन सड़कों पर आफत

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मानसून पहुंच गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। रविवार के बाद सोमवार को भी मुंबई के कई हिस्सों में तेज बारिश हुई, जो कुछ घंटे तक जारी रही। हालांकि, दूसरे दिन की लगातार बारिश ने लोगों के लिए समस्या पैदा की। कई इलाकों में यातायात रूक गया और कुछ जगह जलभराव पैदा होने से सड़कों पर वाहन रेंगते रहे। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार तक भारी बारिश की संभावना जताई है।

बारिश के कारण वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे पर भारी जाम लग गया। यहां सब्जियों से लदा एक ट्रक हाईवे पर पलट गया, जिससे यातायात की समस्या और बढ़ गई। रिपोर्ट के मुताबिक, अंधेरी मेट्रो में यातायात लगभग 10-15 मिनट के लिए रुक गया। बांद्रा ईस्ट के कुछ हिस्सों में भी जलभराव है। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के मुताबिक, मुंबई में सुबह 6 से 7 बजे के बीच 17 मिमी बारिश हुई है। कुछ इलाकों में 61 मिमी बारिश हुई है। आमतौर पर दक्षिण-पश्चिम मानसून 10 जून के आसपास मुंबई पहुंचता है। इस बार देरी हुई और यह 21 जून को पहुंचा है। हालांकि, पहले दिन की बारिश ने लोगों को चौंका दिया। आईएमडी के मुताबिक, आने वाले सप्ताह में भारी और अधिक व्यापक वर्षा होने की संभावना है। इसमें 25 और 26 जून के आसपास इसमें काफी तीव्रता आने की संभावना है।

नीट पुनर्परीक्षा के दौरान बिहार में सॉल्वर गिरोह का खुलासा, 5 मेडिकल छात्र समेत 24 गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी) 2026 की रविवार को हुई पुनर्परीक्षा में बिहार में सॉल्वर गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। यहां के लखीसराय में अभ्यर्थियों की जगह परीक्षा देने की साजिश रच रहे 24 लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें 5 मेडिकल छात्र शामिल हैं। पड़ताल के दौरान परीक्षा प्रक्रिया संभाल रही बायोमेट्रिक कंपनी पर भी शक की सुई घूमी है, जिसके 14 कर्मचारियों को हिरासत में लिया गया है।

परीक्षा से पहले पुलिस को खबर मिली की हसनपुर हाई स्कूल परीक्षा केंद्र में बायोमेट्रिक मशीन बंद कर कुछ अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया जा रहा है। पुलिस जब जांच करने पहुंची तो पता चला कि पटना मेडिकल कॉलेज के तृतीय वर्ष का एमबीबीएस छात्र मयंक कश्यप बायोमेट्रिक कंपनी का स्टाफ बनकर अंदर घुसा था। उसने अन्य लोगों की जानकारी दी, जिसके बाद केआरके हायर सेकेंडरी स्कूल और केंद्रीय विद्यालय लखीसराय में छापेमारी कर अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, पकड़े गए 5 मेडिकल छात्रों में बीएचयू नर्सिंग की छात्रा पूनम कुमारी, सौरभ झा, अमन अग्रवाल, संजीत और उसका भाई शामिल है। पूनम दूसरे परीक्षार्थी की जगह परीक्षा दे रही थी। वह रंगे हाथ पकड़ी गईं। सौरभ एम्स रायबरेली में, अमन दिल्ली के शाहदरा स्थित मेडिकल कॉलेज में इंटर्न है। संजीत और उसका भाई नर्सिंग का छात्र है। इनको परीक्षा में बैठाने के लिए 30 से 40 लाख रुपये में सौदा किया गया था। बताया जा रहा है कि सॉल्वर गैंग का सरगना गया के अन्नपूर्णा नारायण मगध मेडिकल कॉलेजके छात्र अर्पित राज को माना जा रहा है। उससे केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) 2024 में हुए पेपर लीक के मामले में भी पूछताछ कर चुकी है।

पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्रनाथ पर जमीनी विवाद को लेकर हमला, एक आरोपी गिरफ्तार

पटना, एजेंसी। अभिनेता पंकज त्रिपाठी के भाई विजेंद्रनाथ तिवारी पर लाठी और डंडों से जानलेवा हमला किया गया है। गंभीर हालत में उन्हें गोपालगंज मॉडल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से डॉक्टर ने उन्हें पटना के एक अस्तपाल में रेफर कर दिया है। बताया जा रहा है कि यह जानलेवा हमला जमीनी विवाद के चलते किया गया है। फिलहाल बिहार पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, यह घटना अभिनेता के पैतृक गांव बेलसंद में घटित हुई है, जो गोपालगंज जिले के बरौली कस्बे में स्थित है। गोपालगंज के पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान कर ली गई है। अब उसे न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की तैयारी की जा रही है। परिवार की ओर से अभी तक मामले में लिखित में शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है। औपचारिक शिकायत मिलने के बाद पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। उधर पंकज ने इस मामले पर कोई बयान साझा नहीं किया है। वहीं परिवार ने भी अब तक मामले पर मीडिया से बातचीत करने से इनकार कर दिया है। काम के मोर्चे पर, अभिनेता को आखिरी बार फिल्म मेट्रो... इन दिनों (2025) में देखा गया था। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'मिर्ज़ापुरः द मूवी' को लेकर चर्चा में हैं, जो 4 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

1.25 लाख का इनामी ललन सिंह का एनकाउंटर, एसटीएफ ने किया ढेर, 7 लोगों की हत्या समेत कई मामलों में था वांटेड

आर्यावर्त संवाददाता

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर में पुलिस ने कुख्यात अपराधी ललन सिंह उर्फ लल्लन का एनकाउंटर कर दिया। लल्लन पर वाराणसी पुलिस ने 1 लाख रुपये और चंदौली पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एनकाउंटर के बाद लल्लन को पुलिस सीएचसी अस्पताल ले गई। वहां से डॉक्टर ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मुठभेड़ के दौरान ललन का एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

ललन सिंह बिहार में समस्तीपुर जिले के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के तहत आने वाले आनंदगोलवा गांव

का रहने वाला था। वह कई संगीन मामलों में वांटेड था। 21-22 जून 2026 की दरमियानी रात सहारनपुर के सरसावा-नकुड़ रोड पर पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई।

एडिशनल एसपी लाल प्रताप सिंह की टीम के साथ हुई इस मुठभेड़ की शुरुआत सरसावा-नकुड़ मार्ग पर चेकिंग के दौरान हुई। यहां बदमाशों की टीम का बदमाशों से आमना सामना हो गया। पुलिस को देखकर बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में पुलिस की तरफ से हुई फायरिंग में ललन सिंह गोली लगने से घायल हो गया। बाद में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

क्या बोले एडीजी अमिताभ यश?

एडीजी अमिताभ यश ने बताया कि ललन सिंह उर्फ लल्लन एक कुख्यात अपराधी था और उस पर पुलिस ने इनाम घोषित कर रखा था। उन्होंने बताया कि ललन सिंह कई बड़े और चर्चित आपराधिक मामलों में वांछित था। इनमें 8 नवंबर 2022 को वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर उसकी सर्विस पिस्टल लूटने और 1 नवंबर 2022 को चंदौली में गोलीबारी के साथ डकैती की घटना शामिल है।

अमिताभ यश के मुताबिक, वह अपने भाइयों और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कई गंभीर अपराधों में शामिल था। उस पर दो सब-इंस्पेक्टर, एक बैंक कैशियर और एक सुरक्षा गार्ड समेत कुल सात लोगों की हत्या, बैंक डकैती, कैश वैन लूट और सरकारी हथियार लूटने जैसे कई मामले दर्ज थे। उसकी गिरफ्तारी के लिए वाराणसी पुलिस आयुक्त ने 1 लाख रुपये और चंदौली के पुलिस अधीक्षक ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। एडीजी ने बताया कि 21 जून की रात में सहारनपुर जिले के सरसावा-नकुड़ रोड पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लाल प्रताप सिंह के नेतृत्व में पुलिस और ललन सिंह गैंग के बीच एनकाउंटर हुआ। इस दौरान ललन सिंह को गोली लगी। वो वहीं गिर गया। हालांकि, उसके साथी अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। लगातार दबिश दी जा रही है। जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किन मामलों में था वांटेड?

8 नवंबर 2022 को वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर उनकी सर्विस पिस्टल लूटने के मामले में ललन मुख्य आरोपी था। इसके अलावा 1 नवंबर 2022 को चंदौली में फायरिंग कर लूट की वारदात को भी अंजाम दिया था। ललन सिंह अपने भाइयों और गैंग के साथ कई जघन्य अपराधों में शामिल था। उस पर 7 लोगों की हत्या का आरोप था। इनमें दो सब-इंस्पेक्टर, एक बैंक कैशियर और एक सिक्योरिटी गार्ड शामिल हैं। इसके अलावा बैंक डकैती, कैश वैन लूट और सरकारी हथियार लूटने के मामलों में भी वह वांटेड था।

संजय सिंह एडवोकेट निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

सुल्तानपुर। क्षत्रिय एजूकेशनल एसोसिएशन की महत्वपूर्ण बैठक एवं निर्वाचन कार्यक्रम क्षत्रिय भवन में नामित पर्यवेक्षकों की देखरेख में सम्पन्न हुआ। निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत सदन ने सर्वसम्मति से वरिष्ठ अधिवक्ता संजय सिंह एडवोकेट को पुनः संस्था का अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया। उल्लेखनीय है कि संजय सिंह वर्ष 1999 से लगातार क्षत्रिय एजूकेशनल एसोसिएशन के अध्यक्ष पद पर निर्विरोध एवं सर्वसम्मति से निर्वाचित होते आ रहे हैं। वर्ष 2026 में उनका दसवाँ कार्यकाल प्रारम्भ हुआ है, जो संस्थाओं के प्रति उनके समर्पण, सदस्यों के अटूट विश्वास तथा उनके सफल नेतृत्व का प्रमाण है।

निर्वाचन में उपाध्यक्ष पद पर डॉ. आर.पी. सिंह, मंत्री/सचिव पद पर रमेश सिंह, सह सचिव पद पर अमरेंद्र प्रताप सिंह, संप्रेक्षक पद पर पवन कुमार सिंह तथा कोषाध्यक्ष पद पर अमर बहादुर सिंह निर्वाचित घोषित किए गए।

अधिवक्ता और उनके मित्रों को होटल व्यवसायी ने जमकर पीटा

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। शहर का रेलवे स्टेशन रोड एक बार फिर चर्चा में है। इलाके के कुछ होटलों को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी और सवाल दोनों बढ़ते दिख रहे हैं। आरोप है कि कुछ प्रतिष्ठान अब सिर्फ होटल नहीं रहे बल्कि वहां ऐसे तत्वों का जमावड़ा होने लगा है जहां ग्राहक सेवा से ज्यादा दबाव और भय का माहौल महसूस करते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार कई जगहों पर भोजन के नाम पर मनमानी वसूली विरोध करने पर अभद्रता और कथित दबंगई की शिकायतें पहले भी उठती रही हैं। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसी बीच रविवार देर रात एक अधिवक्ता के साथ कथित मारपीट का मामला चर्चा में आ गया। बताया जा रहा है कि पीड़ित जिले के अधिवक्ता धर्मात्मा सिंह हैं। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है लेकिन सामने आए दृश्य लोगों के बीच चिंता और नाराजगी बढ़ाने वाले हैं। सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि यदि कानून की समझ रखने वाला व्यक्ति भी कथित तौर पर सार्वजनिक जगह पर सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहा तो आम नागरिक किस भरोसे बाहर निकले। स्थानीय नागरिकों के बीच यह चर्चा भी है कि कुछ होटल संचालकों को कथित संरक्षण मिलने के कारण उनका मनोबल बढ़ा हुआ दिखाई देता है। लोगों का कहना है कि जहां नियमों की जगह रिश्ते और जिम्मेदारी की जगह मेहमाननवाजी के नाम पर विशेष सुविधा चलने लगे वहां कार्रवाई की धार अक्सर कुंद दिखने लगती है। यह भी सवाल उठ रहा है कि यदि वर्दी का असर सिर्फ आम आदमी पर और रसूख वालों पर नरमी में बदल जाए तो कानून का डर नहीं केवल चयनात्मक सख्ती बचती है। हालांकि इन आरोपों पर संबंधित पक्ष की प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

रिवायती अंदाज में बरामद हुआ पांचवीं मोहर्रम का जुलूस

सुल्तानपुर। माह-ए-मोहर्रमुल हराम की पांचवीं तारीख को आज ताजखानपुर में रिवायती अंदाज और अजीम अकीदत के साथ जुलूस बरामद हुआ। अंजुमन असगरिया ताज खानपुर के सेक्रेटरी हसीब खान ने बताया कि जुलूस का आगाज शान-ओ-शौकत के साथ इमाम बारगाह ताजखानपुर से हुआ। मजलिस-ए-अजा से मौलाना आसिफ रजा कब्लि हैदराबादी ने खिताब फरमाया और शोहदाए करबला की लाजवाल कुर्बानी पर रौशनी डाली। जुलूस में जिले भर की मशहूर अंजुमनों ने शिरकत की। अंजुमन हैदरिया मनियारपुर (जनाब आबिद साहब), अंजुमन असगरिया अमहट, अंजुमन असगरिया कदीम अमहट, अंजुमन जीनतुल अजा कदीम अलीगढ़, अंजुमन जीनतुल अजा रजिस्टर्ड अलीगढ़, अंजुमन गुलजारे हुसैनी अलीनगर, अंजुमन पंजतनी तुराबखानी, अंजुमन अब्बासिया बहादुरपुर और अंजुमन लश्करे हुसैन अफलेपुर के मातमी दस्तों ने नौहा-ख्वानी व सीना-जनी की।

वाराणसी में दादी की नौकरी पर थी पोती की नजर... उनकी जगह पाना चाहती थी जॉब, खाने में मिला दिया जहर, पति समेत गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है, जहां सरकारी नौकरी के लालच में एक पोती ने अपनी ही दादी के हत्या की साजिश रच डाली। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए आरोपी पोती और उसके पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। घटना जिले के लोहता थाना क्षेत्र की थी।

थाना क्षेत्र के गोपालपुर निवासी 56 वर्षीय पानपति देवी चांदपुर स्थित अंतरराष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (IRRI) में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के पद पर कार्यरत हैं। उनके पति सुमिरथ की नौकरी के दौरान मृत्यु हो जाने के बाद उन्हें अनुकंपा नियुक्ति मिली थी। वर्तमान में उनकी सेवा के चार साल शेष हैं।

पोती की थी दादी की नौकरी पर नजर

पुलिस जांच में सामने आया कि पानपति देवी की पोती रवीना की नजर उनकी सरकारी नौकरी पर थी। रवीना को उम्मीद थी कि दादी की मृत्यु होने पर उसे अनुकंपा नियुक्ति मिल सकती है। इसी लालच में उसने अपने पति मोनू कुमार के साथ मिलकर एक खौफनाक साजिश रची। रवीना की शादी उसकी दादी ने ही कराई थी।

खाने में मिला दिया था जहर

बताया जाता है कि 19 जून को रवीना और उसका पति गोपालपुर पहुंचे और खाने-पीने की सामग्री में जहर मिलाकर पानपति देवी को खिला दिया, जिसके बाद उनकी तबीयत बिगड़ने लगी और वे अचेत हो गईं। उसके बाद रवीना अपने पति के साथ मौके से फरार हो गई। पानपति देवी को अचेत देख कर आस पड़ोस के लोग उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया, जहां कई दिनों तक उनका इलाज चला।

दर्ज कराई शिकायत

स्वस्थ होने के बाद पानपति देवी ने लोहता थाने में अपनी पोती और उसके पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर अपराध स्वीकार कर लिया। लोहता थाना प्रभारी दिगंबर उपाध्याय के अनुसार, आरोपियों ने स्वीकार किया है कि वह अनुकंपा नियुक्ति के उद्देश्य से पानपति देवी को रास्ते से हटाना चाहते थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

'ऐसा लगा कि अब बच नहीं पाएंगे', बरेली के मॉल की लिफ्ट में फंसे 13 लोग, बताई आपबीती

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

बरेली। बरेली के चौकी चौराहा स्थित सिटी सेंटर एलए मॉल की लिफ्ट रविवार रात बिजली गुल होने से अटक गई। भीषण गर्मी और उमस के बीच 13 लोग 35 मिनट तक लिफ्ट में फंसे रहे। इस दौरान एक किशोरी बेहोश हो गई थी। मॉल प्रबंधन ने लिफ्ट संचालन से जुड़े सुरक्षा मानकों का ध्यान नहीं रखा। लिफ्ट को ऑपरेटर के बिना ही संचालित किया जा रहा था। यही कारण रहा कि जब लिफ्ट का गेट का नहीं खुला तो अंदर फंसे लोगों ने उसे तोड़ने का प्रयास शुरू कर दिया। इससे सेंसर खराब हो गया और अंत में गेट को तोड़ने के बाद ही लोगों को बाहर निकाला जा सका। बाहर मौजूद लोगों ने बताया कि लिफ्ट के अंदर से हेल्प-हेल्प की आवाजें ही बाहर आ रही थीं।

मॉल की तीसरी मंजिल से लेकर बेसमेंट में बनी पार्किंग तक आने के लिए लोग लिफ्ट का इस्तेमाल करते हैं। रविवार रात हुए हादसे ने मॉल की व्यवस्था को भी कठघरे में खड़ा किया है। मसलन, लिफ्ट के अंदर यदि ऑपरेटर होता तो वह अंदर फंसे लोगों को लिफ्ट से जुड़े सुरक्षा नियमों की जानकारी दे सकता था और उन्हें गेट पर बल प्रयोग से रोक सकता था। लिफ्ट में लगा अलार्म बटन भी काम नहीं कर रहा था। कॉल बटन से भी कोई रिस्पॉन्स नहीं मिला। मॉल प्रबंधन का भी कहना है कि लोगों के लात मारने और जोर-जोर से पीटने के कारण लिफ्ट के सेंसर ने काम करना बंद कर दिया। इस कारण जनरेटर चालू होने के बाद भी गेट नहीं खुला और लोग अंदर ही फंसे रहे।

बाहर मौजूद लोगों ने बंधाई हिम्मत

सनराइज कॉलोनी निवासी आयुष गंगवार ने बताया कि अंदर 13 लोग थे। महिलाएं और बच्चे सबसे ज्यादा परेशान हुए। कुछ देर तक तो उन लोगों को भी समझ में नहीं आया कि क्या किया जाए।

करीब 15 मिनट तक कोई मदद भी नहीं पहुंची। इसके बाद बाहर से लोग गेट पीटकर हिम्मत बंधाने लगे। बाहर लोगों के होने का पता चला तो जान में जान आई।

बाहर मौजूद लोग बने देवदूत

लिफ्ट जब फर्स्ट फ्लोर पर अटकी तो अंदर से मदद के लिए लोग चिल्लाने लगे। इसी दौरान बाहर मौजूद लोगों ने गेट खोलने का प्रयास शुरू कर दिया। बाहर मौजूद राजेंद्र निगम, जितेंद्र सक्सेना, अमन सिंह आदि ने बताया कि उन लोगों ने शोर मचाकर सिक्योरिटी गार्ड को भी मौके पर बुलाने का प्रयास किया, लेकिन कोई आसपास मौजूद नहीं था। इसके बाद कुछ और लोग जुट गए, जिनकी मदद से लोहे की रॉड के सहारे गेट को तोड़ा गया।

मॉल की सुरक्षा में तैनात थे 12 सुरक्षाकर्मी

मॉल के ऑपरेशन मैनेजर विदित कुमार भार्गव ने बताया कि मॉल की सुरक्षा में 12 सुरक्षाकर्मी तैनात थे। जब लिफ्ट का गेट नहीं खुला तो कर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे और मदद में जुट गए। जिस नंबर पर लिफ्ट में फंसे लोग कॉल कर रहे थे, वह एक गार्ड के पास था जो फोन छोड़कर मौके पर आ गया था। इसी कारण कॉल रिसीव नहीं हो पाई। जैसी ही लोग बाहर आए, सभी को पानी उपलब्ध कराकर स्वास्थ्य की स्थिति जानी गई। एक किशोरी को छोड़कर बाकी की हालत ठीक मिली। लिफ्ट में ऑपरेटर की तैनाती दिन में रहती है, रात में कोई नहीं था।

पहले हुए हादसे

इसी साल नौ फरवरी को प्रेमनगर स्थित फ्लैशबैक रेस्टोरेंट में एक लिफ्ट फेल होने से उसमें छह बच्चों सहित दस लोग फंस गए थे। लिफ्ट तीसरी मंजिल से सीधे भूतल पर आकर टकराई थी। दरवाजा तोड़कर सभी को सुरक्षित बाहर निकाला गया था।

एक सितंबर 2019 को जिला महिला अस्पताल में सौ बेड वाले मैटरनिटी हॉस्पिटल में लगी पांच लोगों की क्षमता वाली लिफ्ट में स्वास्थ्य विभाग के ही 19 कर्मचारी जबरन घुस गए थे। लिफ्ट रास्ते में ही खराब हो गई । ऑपरेटर समेत सभी लोग लिफ्ट में फंस गए थे। दो घंटे बाद का गेट तोड़कर उनको बाहर निकाला गया।

ऑटो रेस्क्यू डिवाइस बनी मददगार

लिफ्ट में लगी ऑटो रेस्क्यू डिवाइस मददगार बनी। इस डिवाइस के कारण ही बिजली गुल होने पर लिफ्ट फ्लोर पर आकर रुकी। उप्र लिफ्ट और एस्केलेटर अधिनियम के तहत सभी लिफ्टों में ऑटो रेस्क्यू डिवाइस अनिवार्य की गई है।

ऐसा लगा कि अब बच नहीं पाएंगे

सुभाषनगर निवासी हरनीत कौर ने बताया कि पति नमनदीप, डेढ़ साल की बेटी हरनूर कौर, ननद अंबाला निवासी जसप्रीत कौर, जसप्रीत की दो वर्षीय बेटी हरमेहर और पांच साल का बेटे फतेह सिंह के साथ वह मॉल में घूमने आई थीं। जब लिफ्ट बंद हुई और काफी देर तक नहीं खुली तो गर्मी और उमस के कारण हाल बेहाल होने लगा। बच्चे रोने लगे।

हरनीत ने बताया कि एक तरफ पति और अन्य लोग लिफ्ट खोलने की कोशिश कर रहे थे तो दूसरी तरफ वह बच्चों को शांत करा रही थीं। इसी बीच एक लड़की लिफ्ट में ही बेहोश हो गई। लिफ्ट खुलने के बाद पानी डालकर उसे होश में लाया गया। एक समय तो ऐसा लगा कि अब वह लोग बच नहीं पाएंगे, लेकिन ऊपर वाले ने मदद की और उनकी जिंदगी बच गई।

...तो और ज्यादा बिगड़ जाती स्थिति

कुंवरपुर तलैया (सिटी माल गोदाम के पास) निवासी यश और उनके भाई सिद्धांत कुमार ने बताया कि वह भी मॉल घूमने आए थे। उन लोगों ने लिफ्ट में लिखे नंबर पर आठ से दस बार कॉल की, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। जब अंदर फंसे लोगों की हालत बिगड़ने लगी तो उन लोगों ने गेट खोलने का प्रयास शुरू किया। अगर लोहे का रॉड समय पर न मिलता तो शायद स्थिति और ज्यादा बिगड़ जाती।

इनका रखें ध्यान

यदि लिफ्ट बीच में फंस जाएं तो घबराए नहीं। आपात स्थिति हो तो ही अलार्म या कॉल बटन का उपयोग करें। आपातकालीन नंबर पर भी संपर्क कर सकते हैं।

लिफ्ट में लिखी हुई अधिकतम यात्री क्षमता या वजन सीमा का पालन करें। यदि अलार्म बजता है तो अतिरिक्त लोगों या सामान को तुरंत बाहर निकाल देना चाहिए।

चांदा कांड पर कांग्रेस का हमला तेज, आरोपियों पर गैंगस्टर लगाने की मांग

सुल्तानपुर। चांदा थाना क्षेत्र में मुस्लिम युवकों के साथ हुई कथित मारपीट, लूटपाट एवं (धर्म परिवर्तन) धार्मिक नारे लगाने के प्रयास के मामले को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सोमवार को कांग्रेस जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह श्राणाश एवं शहर अध्यक्ष शकील अंसारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर दोषियों के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि 4 जून 2026 को चांदा थाना क्षेत्र के बहरिया गांव स्थित साहब बंदगी आश्रम के पास मुस्लिम युवकों के साथ कथित रूप से मारपीट, लूटपाट तथा धार्मिक उन्माद फैलाने की घटना हुई थी। कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि घटना के बावजूद पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई, जिससे पीड़ित परिवारों में भय का माहौल बना हुआ है। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस ने प्रशासन के समक्ष कई महत्वपूर्ण मांगें रखीं।

किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर किया धरना-प्रदर्शन

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

सुल्तानपुर। किसानों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने जिला अध्यक्ष दिनेश प्रताप सिंह के नेतृत्व में कलेक्ट्रेट परिसर में धरना-प्रदर्शन दिया। इसके बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री को संबोधित 12 सूत्रीय ज्ञापन जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह को सौंपा गया।

ज्ञापन में संगठन ने किसानों से जुड़ी कई महत्वपूर्ण समस्याओं को उठाते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की। प्रमुख मांगों में फार्मर रजिस्ट्री में हो रही त्रुटियों का निराकरण, खतौनी में खातेदारों का अंश निर्धारण, लो वोल्टेज एवं खराब ट्रांसफार्मरों की समस्या का समाधान, यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना, उन्नत बीज एवं कीटनाशकों की उपलब्धता बढ़ाना तथा उपनिबंधक कार्यालयों में व्याप्त भ्रष्टाचार पर रोक लगाना

शामिल है। इसके अतिरिक्त पशु चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ करने, पशुओं में फैल रही संक्रामक बीमारियों की रोकथाम, गौशालाओं एवं चारागाह की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने, शारदा सहायक खंड-16 एवं 49 की माइनरों तथा अल्पिकाओं की सफाई कराने, राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा किसानों के कथित उत्पीड़न पर रोक लगाने तथा कृषि यंत्रों और कृषि ऋण उपलब्ध कराने में बैंकों की सक्रिय भूमिका सुनिश्चित करने की मांग भी की गई।

संगठन के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि किसानों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया तो व्यापक आंदोलन चलाया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी, शासन-प्रशासन की होगी। धरना-प्रदर्शन के मौके पर जिला महामंत्री कर्मराज दुबे, महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष सैयद बेगम, महिला प्रकोष्ठ जिला महासचिव पूजा दुबे, मंडल उपाध्यक्ष रमेश चंद्र, भदैया ब्लॉक अध्यक्ष विजय कुमार यादव, रिजवान अहमद, फहीम हाशमी सहित संगठन के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पांच डायरिया चैंपियन को सीएमओ ने किया सम्मानित

आर्यावर्त संवाददाता

गोण्डा। स्वास्थ्य विभाग के तत्वावधान में पापुलेशन सर्विसेज इंटरनेशनल इंडिया (पीएसआई इंडिया) और केनव्यू के सहयोग से जिले में चलाये जा रहे "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम की समीक्षा बैठक शनिवार की देर शाम को मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में सीएमओ डॉ. संत लाल पटेल की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि "डायरिया से डर नहीं" कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शून्य से पांच साल तक के बच्चों की डायरिया के कारण होने वाली मृत्यु दर को शून्य करना और दस्त प्रबंधन को बढ़ावा देना है। इसके लिए समुदाय में डायरिया के प्रति जनजागरूकता को बढ़ावा देना अति आवश्यक है। इसके साथ ही डायरिया केस की रिपोर्टिंग भी सुनिश्चित की

जाए। इस मौके पर उन्होंने डायरिया रोकथाम और नियंत्रण में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पांच आशा कार्यकर्ताओं (डायरिया चैम्पियन) को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। इन आशा कार्यकर्ताओं में शहरी क्षेत्र से शीला मिश्रा व मीरा देवी, रूपईडीह से अनीता तिवारी, पंडरीकृपाल से कुसुम मौर्य, वजीरगंज से मंजू तिवारी शामिल रहीं। चर्चा के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अन्य विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करने के साथ ही नगर पालिका व पंचायत विभाग से सहयोग की भी अपेक्षा की।

समीक्षा बैठक में पीएसआई इंडिया के पंकज पाठक ने बताया कि पीएसआई इंडिया द्वारा जनपद गोण्डा के प्रमुख स्थानों पर डायरिया से संबंधित दीवार लेखन किया गया है। इसके अलावा 51 छाया ग्रामीण स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण दिवस सत्रों का सहयोगात्मक निरीक्षण किया गया है। अब तक 1265 आशा कार्यकर्ताओं, 177 एएनएम व 43 आशा संगिनी और 769 आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, 30 मुख्य सेविकाओं तथा महिला आरोग्य समिति की 179 सदस्यों का डायरिया पर अभिमुखीकरण किया गया है। इसके साथ ही पीएसआई इंडिया द्वारा पिछले तीन माह के दौरान जिले में आयोजित की गयीं गतिविधियों पर भी चर्चा हुई। बैठक में एसीएमओ डॉ. सी. के. वर्मा और डॉ. आदित्य, डीपीएम अमरनाथ, डीसीपीएम डॉ. आर. पी. सिंह के साथ ही पीएसआई इंडिया से अवध कुमार आदि उपस्थित रहे।

सीएम योगी का जनता दर्शन: सीएम बोले- अतिक्रमण कतई बर्दाश्त नहीं, आरोपियों पर तत्काल करें कार्रवाई

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश के विभिन्न जनपदों से आए हर फरियादी से एक-एक कर मुलाकात की। उनका प्रार्थना पत्र लिया और समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने सभी शिकायतों के उचित व समयबद्ध निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। वहीं अतिक्रमण की शिकायत पर मुख्यमंत्री सख्त हुए और तत्काल इसकी जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई का निर्देश दिया।

'जनता दर्शन' में मथुरा से एक वृद्ध भी शिकायत लेकर पहुंचे। उन्होंने मुख्यमंत्री को बताया कि चकरोड पर अतिक्रमण कर लिया गया है। इसकी शिकायत स्थानीय स्तर पर की जा चुकी है, लेकिन अभी तक कार्रवाई नहीं हुई। इस पर मुख्यमंत्री ने सख्त रूख अपनाते हुए जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि वे स्वयं मौके पर जाएं और यथास्थिति देखें। अतिक्रमण होने की स्थिति में इसे तत्काल हटाएं और दोषियों पर कार्रवाई करें। सीएम ने फिर कहा कि अतिक्रमण की शिकायत कतई बर्दाश्त नहीं होगी। सभी अधिकारी, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम, विकास प्राधिकरण समेत जिम्मेदार संस्थाएं नियमित रूप से इसकी मॉनिटरिंग भी करती रहें।

शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता समेत हर पहलु पर सरकार का ध्यान

'जनता दर्शन' में शिक्षा, स्वास्थ्य, आर्थिक सहायता, बिजली के तार, पुलिस, राजस्व से जुड़े प्रार्थना पत्र भी आए। मुख्यमंत्री ने सभी प्रार्थना पत्र लेकर पीड़ितों की बातें सुनीं, फिर उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार जनता से जुड़ी हर मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति कर रही है। आप सभी की समस्याओं का भी समाधान होगा। किसी को परेशान होने की जरूरत नहीं है, सरकार हर परिस्थिति में 25 करोड़ प्रदेशवासियों के साथ खड़ी है।

मुख्यमंत्री ने हालचाल जाना, कहा- सेहत व स्वास्थ्य का भी ध्यान रखिए

सीएम ने भीषण गर्मी में आए फरियादियों का सबसे पहले हालचाल जाना, फिर उनकी समस्याएं पूछीं। मुख्यमंत्री ने विभिन्न जनपदों से आए लोगों से कहा कि अभी गर्मी व धूप अधिक है। बुजुर्गों, महिलाओं व बच्चों से कहा कि बहुत जरूरत होने पर ही दोपहर में घर से निकलिए। सीएम ने संयमित खानपान के लिए भी कहा।

जन चौपाल में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा ने दिए संतृप्तिकरण के निर्देश

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के नगर विकास, ऊर्जा एवं जनपद जौनपुर के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा के निर्देशों के क्रम में विकास खंड रामपुर की ग्राम पंचायत पट्टीकीरत राय तथा अटल आवासीय परिसर (वनवासी बस्ती) में देर रात्रि जन चौपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा वर्चुअल माध्यम से जुड़े और ग्रामीणों व अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।प्रभारी मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन पात्र परिवारों के पास आवास नहीं है, उन्हें आवास योजनाओं से जोड़ा जाए। साथ ही राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन, मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना तथा अन्य सभी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुंचाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि गांवों में पेयजल, सड़क, स्वच्छता तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का शत-प्रतिशत विकास किया जाए ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़े।ए.के. शर्मा ने कहा कि वनवासी परिवारों की सेवा करना सौभाग्य की बात है। उन्होंने बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के कारण वह स्वयं कार्यक्रम में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन भविष्य में गांव का भ्रमण और निरीक्षण करेंगे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनके आगमन से पहले सभी लंबित एवं अवशेष कार्यों को पूरा कर लिया जाए।जन चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं से संबंधित स्टॉल लगाए गए। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण का संदेश देते हुए पौधरोपण भी किया गया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के अंतर्गत लाभार्थियों को ई-रिक्शा वितरित किए गए।

'ब्राह्मणों के बसपा से जुड़ने पर सपा समेत विपक्ष में खलबली', मायावती बोलीं– दोहराएंगे 2007 जैसे परिणाम

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी गर्मी बढ़ी हुई है। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने कहा कि ब्राह्मण समाज और अपर कास्ट के लोगों का बसपा के प्रति रुझान बढ़ रहा है। इससे विपक्षी दलों की नींद उड़ी हुई है। जिस तरह वर्ष 2007 में ब्राह्मण समाज के सहयोग से बसपा ने पूर्ण बहुमत की सरकार बनाई थी, उसी तरह के राजनीतिक संकेत अब फिर दिखाई दे रहे हैं।

एक्स पर किए पोस्ट में मायावती ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए बसपा ने विभिन्न वर्ग के लोगों को उम्मीदवार बनाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विशेष रूप से ब्राह्मण समाज के लोगों के पार्टी से जुड़ने से विरोधी दलों, खासकर समाजवादी पार्टी में बेचैनी देखी जा सकती है।

बसपा ने सभी वर्गों को सम्मान तथा भागीदारी दी

बसपा प्रमुख ने कहा कि यूपी जैसे बड़े राज्य में अपरकास्ट समाज, विशेषकर ब्राह्मण वर्ग का हित बसपा में ही सुरक्षित है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी ने अपने 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' के सिद्धांत को संगठन स्तर से लेकर सरकार में रहते हुए भी लागू किया। सभी वर्गों को सम्मान तथा भागीदारी दी।

मायावती ने आरोप लगाया कि अन्य दलों की सरकारों में ब्राह्मण समाज के लोग लंबे समय से खुद को उपेक्षित, असुरक्षित और ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। इसी कारण बड़ी संख्या में लोग बसपा की ओर आकर्षित हो रहे हैं। बसपा सरकार बनने पर ब्राह्मणों को पहले की तरह सम्मान और भागीदारी मिलने का भरोसा भी जताया।

चुनाव में सभी वर्गों से उम्मीदवार बनाया जाएगा

बसपा सुप्रीमो ने अपने बयान में कहा कि केवल ब्राह्मण ही नहीं, बल्कि क्षत्रिय, वैश्य और अन्य समाज के लोगों को भी उनकी तैयारी और योगदान के आधार पर चुनाव में उम्मीदवार बनाया जाएगा। पार्टी की तैयारियां लगातार चल रही हैं। सभी वर्गों को साथ लेकर आगे बढ़ने की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने वाला युवक गिरफ्तार

लखनऊ। गुडम्बा थाना पुलिस ने नाबालिग किशोरी के अपहरण के मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपहृता को सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पुलिस के अनुसार 24 मई 2026 को वादी द्वारा थाना गुडम्बा में मुकदमा संख्या 210/2026 धारा 137(2), 87 एवं 351(2) बीएनएस के तहत रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बहन को एक युवक बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया है। मामले की विवेचना उपनिरीक्षक संदीप सिंह गौर द्वारा की जा रही थी।विवेचना और लगातार की जा रही पतारसी-सुरागरसी के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले। इसके आधार पर 21 जून 2026 को उपनिरीक्षक संदीप सिंह गौर अपनी टीम के साथ आधारखेड़ा क्षेत्र पहुंचे, जहां से नाबालिग पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया गया।

21 साल पुराने सपा के जिला कार्यालय पर गरजा बुलडोजर, देखते ही देखते मलबे में तब्दील

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। यूपी के सीतापुर में टाउन हॉल परिसर स्थित समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय को सोमवार को प्रशासन ने जेसीबी चलाकर ढहा दिया। पुलिस बल और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में पहुंचे चार बुलडोजरों ने पूरी इमारत को ढहाकर मलबे में तब्दील कर दिया। इस कार्रवाई से पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल रहा। मौके पर भारी संख्या में लोगों की भीड़ जमा हो गई। हाल ही में डीएम कोर्ट ने टाउन हॉल परिसर की जिस जमीन को राज्य सरकार में निहितीकरण का आदेश दिया था, समाजवादी पार्टी का दफ्तर 21 साल से यहीं संचालित हो रहा था। बताया गया कि यह जमीन सरकारी थी। इस बेशकीमती सरकारी जमीन को कब्जा मुक्त कराने के लिए काफी समय से प्रशासनिक गतिविधियां और कानूनी प्रक्रियाएं चल रही थीं। प्रशासन लगातार इस परिसर को खाली करने के लिए नोटिस और निर्देश दे रहा था। खाली न करने पर बुलडोजर से इसे ढहा दिया गया।

हरियाणा से बरामद हुई अपहृत किशोरी, महिगवां पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की महिगवां पुलिस ने अपहरण के एक मामले का सफल खुलासा करते हुए अपहृत किशोरी को हरियाणा से सकुशल बरामद कर लिया है। पुलिस ने मामले में नामजद आरोपी कलीम को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से किशोरी के परिजनों ने राहत की सांस ली है।जानकारी के अनुसार पुलिस आयुक्त के निर्देशन में अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी के पर्यवेक्षण में महिगवां थाना पुलिस ने थाना महिगवां पर दर्ज मुकदमा संख्या 70/2026 धारा 137(2)/87 बीएनएस के मामले में कार्रवाई की। तकनीकी साक्ष्यों और मोबाइल लोकेशन के आधार पर पुलिस टीम ने हरियाणा के करनाल जनपद स्थित थाना घरौंडा क्षेत्र के ग्राम कोहण्ड में दबिश दी।जांच में सामने आया कि आरोपी कलीम किशोरी को अपने साथ लेकर हरियाणा चला गया था और वहां अलीनगर रोड स्थित कोहिनूर फैक्ट्री के आसपास रह रहा था। पुलिस टीम ने 21 जून 2026 को योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई करते हुए किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया तथा आरोपी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। इसके बाद पुलिस ने एसीजे (सीनियर डिवीजन)-कम-एसडीजेएम, घरौंडा, करनाल न्यायालय से 36 घंटे का ट्रांजिट रिमांड प्राप्त कर आरोपी को लखनऊ लेकर आई।पुलिस पूछताछ में आरोपी कलीम पुत्र शकील निवासी रहीमनगर डुंडौली, थाना मड़ियांव, लखनऊ ने बताया कि वह किशोरी को पहले से जानता था।

1.25 लाख के इनामी कुख्यात लल्लन सिंह को एसटीएफ ने मार गिराया, दो एसआई समेत सात की हत्या का आरोपी था

आर्यावर्त क्रांति ब्यूरो

लखनऊ। बिहार के समस्तीपुर जिले का रहने वाला सवा लाख का इनामी कुख्यात लल्लन सिंह उर्फ लल्लन रविवार देर रात सहारनपुर में यूपी एसटीएफ से मुठभेड़ में मारा गया। मुठभेड़ सरसावा-नकुर रोड पर हुई। इस दौरान उसका एक साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया। उसकी तलाश में टीम दबिश दे रही है।

एडीजी एसटीएफ अमिताभ यश के अनुसार, ललन सिंह उर्फ लल्लन पुत्र शिव शंकर सिंह लंबे समय से कई संगीन मामलों में वांछित था। उसकी गिरफ्तारी पर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट की ओर से एक लाख रुपये और चंदौली पुलिस की तरफ से 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। ललन मूल रूप से समस्तीपुर के मोहिउद्दीन नगर थाना क्षेत्र के आनंदगोलवा गांव का रहने वाला था।

साथी मौके से भाग निकला

21 जून की रात एसटीएफ एएसपी लाल प्रताप सिंह के नेतृत्व में टीम सहारनपुर जिले में सरसावा-नकुर मार्ग पर संदिग्ध वाहनों और अपराधियों की तलाश में चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान टीम को बदमाशों की मौजूदगी की सूचना मिली। घेराबंदी करने पर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में ललन सिंह गोली लगने से घायल हो गया। जबकि, उसका एक साथी मौके से भाग निकला।

घायल बदमाश को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, सरसावा ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल में चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

सात हत्याओं समेत कई वारदातों में था वांछित

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, ललन सिंह अपने भाइयों और गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर कई संगठित अपराधों में शामिल था। उस पर सात लोगों की हत्या, बैंक डकैती, कैश-वैन लूट और सरकारी हथियार लूटने जैसे गंभीर आरोप थे। मृतकों में दो सब-इंस्पेक्टर, एक बैंक कैशियर और एक सुरक्षा गार्ड भी शामिल थे।

ललन पर 8 नवंबर 2022 को वाराणसी में एक सब-इंस्पेक्टर को गोली मारकर उनकी सर्विस पिस्तौल लूटने का आरोप था। इसके अलावा 1 नवंबर 2022 को चंदौली जिले में हुई गोलीबारी और लूट की घटना में भी वह वांछित चल रहा था। इसके फरार साथी की तलाश जारी है।

संक्षेप

यूपीआरवीयूएनएल में 79 कर्मियों का अवर अभियंता पद पर चयन, एक पद पर चयन प्रक्रिया स्थगित

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) ने अवर अभियंता (विद्युत एवं यांत्रिक) सामान्य श्रेणी के रिक्त पदों पर पदोन्नति के लिए चयन प्रक्रिया का परिणाम घोषित कर दिया है। निगम ने कुल 80 रिक्त पदों के सापेक्ष 79 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से चयनित किया है, जबकि एक अभ्यर्थी के विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई लंबित होने के कारण एक पद पर चयन प्रक्रिया फिलहाल स्थगित कर दी गई है।निदेशक (कार्मिक प्रबंधन एवं प्रशासन) द्वारा जारी कार्यालय ज्ञाप के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत परिषद परिचालकीय कर्मचारी वर्ग सेवा विनियमावली-1995 तथा अधीनस्थ विद्युत एवं यांत्रिक अभियंत्रण सेवा विनियमावली-1972 के प्रावधानों के तहत निगम में कार्यरत श्रेणी पी-4, पी-5 एवं पी-6 के कुशल परिचालकीय कर्मचारियों से अवर अभियंता पदों पर पदोन्नति हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए थे।चयन प्रक्रिया के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की जांच के बाद शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों का अभिलेखीय परीक्षण 1 जून और 8 जून 2026 को आयोजित किया गया। इसके उपरांत निगम की प्रचलित नियमावली में निर्धारित प्रावधानों के आधार पर श्रेष्ठता सूची तैयार की गई और उसके अनुसार 79 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जारी सूची मेरिट सूची नहीं है, बल्कि चयनित अभ्यर्थियों के नाम वर्णक्रमानुसार प्रकाशित किए गए हैं। साथ ही यह भी कहा गया है कि यदि चयनित अभ्यर्थियों द्वारा प्रस्तुत अभिलेखों में भविष्य में कोई असत्य या भ्रामक जानकारी पाई जाती है तो उनका चयन पदोन्नति के बाद भी निरस्त किया जा सकता है।

24 जून के प्रस्तावित धरने को लेकर यूपीपीसीएल अलर्ट, बिजली आपूर्ति बनाए रखने के कड़े निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने 24 जून को शक्ति भवन में प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन को लेकर सभी विद्युत वितरण निगमों और संबंधित अधिकारियों को अलर्ट कर दिया है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी स्थिति में प्रदेश की विद्युत आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए तथा बिजली प्रतिष्ठानों, संयंत्रों और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।यूपीपीसीएल के निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) डॉ. जॉन मथाई द्वारा जारी पत्र में बताया गया है कि उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन निविदा एवं संविदा कर्मचारी संघ ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर 24 जून 2026 को शक्ति भवन, लखनऊ पर धरना-प्रदर्शन की नोटिस दी है। इसके मद्देनजर पूर्वांचल, पश्चिमांचल, दक्षिणांचल और मध्यांचल विद्युत वितरण निगमों के प्रबंध निदेशकों तथा केस्को को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं।पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 27 मई 2026 को जारी अधिसूचना के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न निगमों में उत्तर प्रदेश आवश्यक सेवाओं का अनुरक्षण अधिनियम (एस्मा) छह माह के लिए लागू किया गया है। इस अवधि में हड़ताल पर प्रतिबंध है। ऐसे में किसी भी प्रकार का सत्याग्रह, कार्य बहिष्कार, विरोध प्रदर्शन अथवा हड़ताल नियमानुसार अनुमन्य नहीं है।निगम प्रशासन ने सभी वितरण कंपनियों को निर्देश दिया है कि प्रस्तावित धरने के दौरान विद्युत आपूर्ति को हर हाल में सामान्य बनाए रखा जाए। इसके साथ ही विद्युत उपकेंद्रों, उत्पादन इकाइयों, कार्यालयों और अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा के लिए विशेष इंतजाम किए जाएं। आवश्यकता पड़ने पर जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन से समन्वय स्थापित कर अतिरिक्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने को भी कहा गया है।यूपीपीसीएल ने आउटसोर्स एजेंसियों को भी निर्देशित करने को कहा है कि कोई भी आउटसोर्स कर्मचारी प्रस्तावित आंदोलन या कार्य बहिष्कार में भाग न ले। साथ ही किसी भी आउटसोर्स कर्मी का अवकाश स्वीकृत न करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि विद्युत सेवाओं के संचालन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न हो।पत्र में मुख्य अभियंता (जनपद) को शक्ति भवन और शक्ति भवन विस्तार परिसर की सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित कराने के साथ-साथ पूरे घटनाक्रम की वीडियोग्राफी कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। इसके अलावा सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को आदेशों का अक्षरशः पालन सुनिश्चित करने को कहा गया है।ऊर्जा विभाग के सूत्रों के अनुसार गर्मी के मौसम में बिजली की मांग लगातार बढ़ी हुई है।

डेंगू की भविष्यवाणी में बीबीएयू के वैज्ञानिकों की बड़ी सफलता, राज्यवार मॉडल से मिले सटीक संकेत

आर्यावर्त संवाददाता

लखनऊ। बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के वैज्ञानिकों ने डेंगू जैसी गंभीर संक्रामक बीमारी की निगरानी और पूर्वानुमान के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के डॉ. युसुफ़ अख़्तर और सांख्यिकी विभाग के डॉ. सुभाष कुमार यादव द्वारा किए गए एक व्यापक शोध अध्ययन को अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त स्प्रिंगर नेचर की पत्रिका 'डिस्कवर पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित किया गया है। यह अध्ययन भारत के विभिन्न राज्यों में डेंगू संक्रमण और उससे होने वाली मृत्यु दर के पूर्वानुमान के लिए विकसित मॉडलों का राज्यवार तुलनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करता है।इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने शोध दल को बधाई देते हुए कहा कि

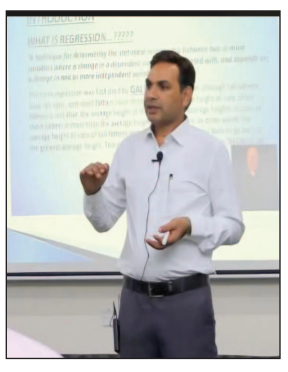

यह शोध न केवल विश्वविद्यालय बल्कि देश के सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान खोजने की दिशा में यह अध्ययन एक महत्वपूर्ण कदम है।शोधकर्ताओं ने वर्ष 2017 से 2024 तक भारत के विभिन्न राज्यों में डेंगू के मामलों और मृत्यु दर से जुड़े आंकड़ों का विश्लेषण किया। अध्ययन में पांच प्रमुख पूर्वानुमान तकनीकों—नैव विधि, सरल घातांकीय स्मूदिंग (एसईएस), ऑटो-रिग्रेसिव इंटीग्रेटेड मूविंग एवरेज (एआरआईएमए), रैखिक प्रतिगमन तथा सपोर्ट वेक्टर रिग्रेशन—का उपयोग किया गया। इन सभी मॉडलों का मूल्यांकन रूट मीन स्क्वेयर्ड एरर (आरएमएसई) के आधार पर किया गया।अध्ययन की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह रही कि शोधकर्ताओं ने पूरे देश के लिए एक ही मॉडल लागू करने के बजाय प्रत्येक राज्य के लिए अलग-अलग सर्वश्रेष्ठ मॉडल का चयन किया। शोध दल का मानना है कि भारत जैसे विशाल और भौगोलिक, सामाजिक तथा जलवायु विविधताओं वाले देश में संक्रामक रोगों के पूर्वानुमान के लिए एक समान मॉडल प्रभावी नहीं हो सकता। यही कारण है कि राज्यवार विश्लेषण इस शोध की सबसे बड़ी वैज्ञानिक उपलब्धि माना जा रहा है।शोध के निष्कर्षों के अनुसार वर्ष 2025 में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब और कर्नाटक में डेंगू के मामलों तथा मौतों में वृद्धि की संभावना है। शोधकर्ताओं ने सुझाव दिया है कि इन राज्यों में स्वास्थ्य विभागों को समय रहते अतिरिक्त संसाधनों की व्यवस्था, अस्पतालों की तैयारी और मच्छर नियंत्रण कार्यक्रमों को प्राथमिकता देनी चाहिए। अध्ययन में यह भी सामने आया कि केरल में डेंगू से मृत्यु दर यानी केस फेटेलिटी रेट अन्य राज्यों की तुलना में लगातार अधिक रही है। औसतन 0.551 प्रतिशत की यह दर राज्य में रोग प्रबंधन और उपचार व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की आवश्यकता को दर्शाती है।शोधकर्ताओं ने पाया कि भारत में डेंगू का बोझ राज्यों के अनुसार काफी अलग-अलग है। इसलिए राष्ट्रीय स्तर की एक समान रणनीति के बजाय क्षेत्रीय और स्थानीय परिस्थितियों के अनुरूप निगरानी और नियंत्रण तंत्र विकसित करना अधिक प्रभावी साबित हो सकता है। अध्ययन में यह भी स्पष्ट किया गया कि भविष्य में स्वास्थ्य संसाधनों के आवंटन, रोग नियंत्रण अभियानों, अस्पताल प्रबंधन तथा आपातकालीन प्रतिक्रिया योजनाओं के निर्माण में ऐसे पूर्वानुमान मॉडल महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। शोध पत्र में वैश्विक स्तर पर डेंगू के बढ़ते खतरे पर भी प्रकाश डाला गया है। विश्व स्वास्थ्य परिदृश्य में डेंगू आज सबसे तेजी से फैलने वाले संक्रामक रोगों में शामिल है। वर्ष 2024 में विश्वभर में 1.41 करोड़ डेंगू मामलों की पुष्टि हुई, जो वर्ष 2023 की तुलना में लगभग दोगुनी और वर्ष 2014 की तुलना में बारह गुना अधिक है।

बंद पेट्रोल पंप से सोलर बैटरियां चुराने वाले दो चोर गिरफ्तार

लखनऊ। कमिश्नरेट लखनऊ की महिगवां पुलिस ने चोरी की एक घटना का सफल खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे और निशानदेही पर चोरी की पांच बैटरियां बरामद की हैं। पुलिस ने मामले में फरार एक अन्य आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।पुलिस आयुक्त के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त उत्तरी, अपर पुलिस उपायुक्त उत्तरी तथा सहायक पुलिस आयुक्त बीकेटी के पर्यवेक्षण में थानाध्यक्ष महिगवां के नेतृत्व में पुलिस टीम ने थाना महिगवां पर दर्ज मुकदमा संख्या 81/2026 से संबंधित चोरी की घटना का अनावरण किया। पुलिस ने 22 जून 2026 को दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन पुत्र दिनेश निवासी कल्लूपुरवा थाना कुर्सी जनपद बाराबंकी तथा विकास रावत पुत्र स्वामी रावत निवासी आधारखेड़ा थाना गुडम्बा जनपद लखनऊ के रूप में हुई है।

दलीय टूट-फूट के सवालों से मुठभेड़ जरूरी

डॉक्टर लोहिया ने कहा तो था समाजवादियों से, लेकिन लगता है कि उनकी बात आज के विपक्षी दलों ने ज्यादा शिद्दत से मान ली है। लोहिया ने कहा था, सुधरो या टूट जाओ। लोहिया की इस अपील को उनके समाजवादी चेलों ने तो माना ही, अब गैर समाजवादी अनुयायी भी स्वीकार कर चुके हैं। चार मई को पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद सबसे बड़ी टूट उस ममता की पार्टी में हुई, जिन्हें राजनीतिक मैदान का योद्धा माना जाता था। जो झुकना नहीं जानतीं। पहले उनके 80 में से 53 विधायक टूट गए और विधानसभा में उन्होंने अपना अलग गुट बना लिया। इसके बाद लोकसभा के उनके 29 में से बीस सांसद भी टूट गए। दिलचस्प यह है कि उन्होंने एक अनाम-सी पार्टी नेशनल सिटिजन्स पार्टी में अपना विलय कर लिया। ममता की राह पर उद्धव ठाकरे की शिवसेना के भी सांसद चल पड़े हैं और हो सकता है कि इन पंक्तियों के प्रकाशित होने तक उनके नौ में से छह लोकसभा सांसद पाला बदलकर एकनाथ शिंदे की शिवसेना के धनुष पर तीर चढ़ा रहे होंगे। सुगबुगाहट तमिलनाडु की द्रविड़ मुनेत्र कषगम के संसदीय दल में भी टूट-फूट की दिख रही है। इस बीच सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के नेता ओमप्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव की अगुआई वाली समाजवादी पार्टी में भी टूट की भविष्यवाणी जता दी है।

भारतीय राजनीति में दल-बदल कोई नई बात नहीं है। अतीत में भी दल-बदल होते रहे हैं। हरियाणा में तो तकरीबन पूरा विधायक दल ही दूसरे दल में समा गया था। उसी के बाद से दलबदल के लिए भारतीय राजनीति में 'आयाराम गयाराम' का मुहावरा ही चल पड़ा था। लेकिन पश्चिम बंगाल के चुनावों के बाद जिस तरह दल-बदल या दलों में टूटफूट हो रहा है, वह अप्रत्याशित है। इतने बड़े पैमाने पर राजनीतिक दलों में भगदड़ पहले नहीं हुई थी। पहले किसी एक या दो दल में ऐसा होता था। ऐसा लग रहा है कि जैसे बीजेपी विरोधी दलों को दल-बदल या टूट-फूट वाली छूत की बीमारी लग गई है। इस प्रभावित दल इस टूट-फूट के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। उनका आरोप है कि बीजेपी टूटने वाले नेताओं को मोटी रकम का लालच दे रही है। उनका यह भी आरोप है कि संवैधानिक सुधारों के लिए चूंकि बीजेपी को संसद के दोनों सदनों में दो तिहाई बहुमत की जरूरत है, इसलिए वह धन और बाहुबल का लालच देकर दलों को तोड़ रही है।

एक बारगी मान भी लें कि बीजेपी की शह पर ये टूट-फूट हो रही है तो एक प्रश्न जरूर उठता है कि आखिर राजनीतिक दलों ने कैसे नेताओं को अपना सांसद या विधायक बनाने के लिए चुना है? क्या उनके चयन में कोई गलती रही? सवाल यह भी उठता है कि जो टूट रहे हैं, क्या सांसद या विधायक बनाने को लेकर जब उनका चयन किया जा रहा था, तो उनकी कौन की खासियत देखी गई थी? क्या दल के प्रति न उनकी निष्ठा, उनके चरित्र आदि का ध्यान नहीं रखा गया। सवाल यह भी उठता है कि क्या बाहुबल या धन बल ही उनके चयन की बड़ी योग्यता मानी गई। इन सवालों का ईमानदारी से जवाब प्रभावित दल भले ही नहीं दे, लेकिन यह छुपी हुई बात नहीं है कि भारतीय राजनीति में संसद या विधानसभा में नुमाइंदगी के लिए दलीय निष्ठा की बजाय दूसरे कारकों का ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। इसमें चुनाव जीतने की क्षमता, चुनाव में खर्च करने की सामर्थ्य और जरूरत बड़ने पर पार्टी के लिए धन और बाहुबल के साथ खड़ा होने की शक्ति भी देखी जाती है। कई बार तो सिर्फ पैसे के दम पर ही टिकट हासिल कर लिए जाते हैं। यही वजह है कि मौका मिलते ही ये नेता अपनी निष्ठा बदलने में देर नहीं लगाते।

निश्चित तौर पर राजनीतिक दलों के गठन की बुनियाद उनका राजनैतिक और सामाजिक विचार और सिद्धांत होता है। इसके बावजूद लगातार महंगी होती चुनाव प्रक्रिया ने विचारधारा की राजनीति को पीछे खिसका दिया है। विचारधारा की दुहाई तभी तक दी जाती है, जब तक उसकी राह में धन बल या बाहुबल नहीं आता, जब तक कि सत्ता उससे दूर रहती है। अगर विचारधारा से विचलन के बाद सत्ता आती दिखती है तो राजनीतिक दल और नेता भी अपनी उस विचारधारा को कुछ वक्त के लिए ताक पर रख देते हैं। सिद्धांत और निष्ठाएं भी तब तक के लिए टाल दी जाती हैं। जब दलीय आधार पर ऐसा होता है तो निजी स्तर पर किसी सांसद और विधायक को आर्थिक या सत्ता में भागीदारी का मौका मिलेगा तो वह क्यों न टूटेगा। सवाल यह है कि जब दल और उसका अगुआ ही अपनी निष्ठा और विचारधारा को सत्ता के लिए किनारे रख देगा तो मौका मिलने पर उसका सांसद और विधायक ऐसा क्यों नहीं कर सकता। उद्धव ठाकरे के संसदीय दल में बिखराव की बड़ी वजह सत्ता के लिए पार्टी के सिद्धांतों से समझौता और कांग्रेस का साथ लेना रहा है। टूट रहे सांसदों को लेकर आरोप लगाने वाले दलों को भी सोचना होगा कि आखिर उन्होंने किस तरह के लोगों को चुना? सवाल यह है कि जब पैसे लेकर टिकट दिए जाएंगे, जब दल और विचारधारा की निष्ठा के बजाय चुनावी टिकट हासिल करने के अन्य कारण होंगे तो फिर इस प्रक्रिया से चुनकरआए सांसदों और विधायकों की खरीद-बिक्री पर सवाल कैसे उठाए जा सकते हैं?

सफलता को मापने के लिए गलत पैमाने का उपयोग कर रहे विवि व उच्च शिक्षण संस्थान

निशा सिंह

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार वर्ष 2000 में लगभग 254 विश्वविद्यालयों वाला भारत 2024 तक 1,200 से अधिक विश्वविद्यालयों तक पहुँच गया

भारत ने विश्वविद्यालयों के विस्तार पर जिस गति से काम किया है, उसकी बराबरी दुनिया के बहुत कम देश कर सकते हैं। मात्र 25 वर्षों में विश्वविद्यालयों की संख्या 254 से बढ़कर 1,200 से अधिक हो गई है। हालांकि इस विस्तार के पीछे एक ऐसा सवाल छिपा है, जो केवल उच्च शिक्षा तक पहुँच से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है कि क्या हमारे स्नातक वास्तव में कार्यस्थल के लिए तैयार होकर निकल रहे हैं?

आर्थिक सर्वेक्षण 2024-25 के अनुसार वर्ष 2000 में लगभग 254 विश्वविद्यालयों वाला भारत 2024 तक 1,200 से अधिक विश्वविद्यालयों तक पहुँच गया, यानि लगभग 380 प्रतिशत की वृद्धि। इसके साथ 70,018 उच्च शिक्षण संस्थान, 4.3 करोड़ से अधिक नामांकित विद्यार्थी और विश्व की प्रतिष्ठित क्यूएस (QS) विश्वविद्यालय रैंकिंग 2026 में शामिल 54 भारतीय विश्वविद्यालय भी हैं। तस्वीर देखने में जरूर उत्साहजनक हैं, लेकिन इसकी वास्तविकता कुछ और कहानी कहती है।

कौशल विकास, रोजगार योग्यता और कार्यबल तैयारी के क्षेत्र में काम करते हुए एक बात स्पष्ट रूप से देखी है कि भारत में डिग्रियों की कमी नहीं है, कमी है उन क्षमताओं की, जिन्हें विकसित करने के लिए डिग्रियाँ दी जाती हैं। सात उद्योग क्षेत्रों के एक लाख से अधिक अभ्यर्थियों के आकलन पर आधारित इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2026 इस वास्तविकता को उजागर करती है। आईटीआई स्नातकों की रोजगार योग्यता 45.95 प्रतिशत है, जबकि पॉलिटेक्निक स्नातकों की मात्र 32.92 प्रतिशत। यहाँ तक कि कार्यस्थल के लिए अपेक्षाकृत तैयार माने जाने वाले एमबीए स्नातकों की रोजगार योग्यता भी एक वर्ष में 78 प्रतिशत से घटकर 72.76 प्रतिशत रह गई। इंजीनियरिंग स्नातकों की स्थिति लगभग 70 प्रतिशत पर बनी हुई है, लेकिन यह बढ़त मुख्यतः कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों तक सीमित है। अन्य अनेक विषयों के छात्र ऐसे श्रम बाजार में संघर्ष कर रहे हैं, जिसकी कौशल आवश्यकताएँ शैक्षणिक पाठ्यक्रमों की तुलना में कहीं अधिक तेजी से बदल रही हैं।

इसका अर्थ गंभीर है। अनेक विषयों में बड़ी संख्या में स्नातक ऐसे कौशलों के बिना रोजगार बाजार में प्रवेश कर रहे हैं, जिनकी आज नियोक्ता बढ़ती हुई अपेक्षा कर रहे हैं। यह समस्या नई नहीं है। इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2012 से रोजगार योग्यता का आकलन कर रही है और सभी विषयों का औसत कभी भी स्थायी रूप से 55 प्रतिशत से ऊपर नहीं जा पाया। दूसरी ओर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 ने 2035 तक सकल नामांकन अनुपात (GER) को 50 प्रतिशत तक पहुँचाने का लक्ष्य रखा है। नीति आयोग का अनुमान है कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारत को लगभग 2,500 विश्वविद्यालयों की आवश्यकता पड़ सकती है। महत्वाकांक्षा में कोई कमी नहीं है, लेकिन गुणवत्ता पर गंभीर चर्चा अभी शुरू भी नहीं हुई है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि हम सफलता को मापने के लिए गलत पैमानों का उपयोग कर रहे हैं। हम संस्थानों की संख्या गिनते हैं, नामांकन दरों का उत्सव मनाते हैं और वैश्विक रैंकिंग पर गर्व करते हैं। लेकिन हम यह नहीं मापते कि संस्थानों के भीतर प्राप्त शिक्षा वास्तव में विद्यार्थियों को कितनी क्षमता और रोजगार योग्यता प्रदान कर रही है। उद्योग जगत की कई रिपोर्ट लगातार यह संकेत दे रही हैं कि शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और नियोक्ताओं की अपेक्षाओं के बीच गंभीर अंतर मौजूद है, विशेषकर उभरती प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में। कई बार विद्यार्थियों से ऐसे कौशलों की अपेक्षा की जाती है जिन्हें उनकी औपचारिक शिक्षा में पर्याप्त स्थान ही नहीं मिला होता। यह केवल कौशल-अंतर (Skills Gap) नहीं, बल्कि दो समानांतर दुनियाओं- डिग्री प्रदान करने वाली शिक्षा व्यवस्था और कौशल की मांग करने वाली अर्थव्यवस्था के बीच का संरचनात्मक विच्छेद है।

समस्या की जड़ें गहरी हैं। भारत के 43,000 से अधिक कॉलेजों का अधिकांश हिस्सा राज्य विश्वविद्यालयों से संबद्ध है, जहाँ पाठ्यक्रम संशोधन की प्रक्रिया धीमी और केंद्रीकृत है। एक स्वायत्त आईआईटी (IIT) कुछ महीनों में अपना पाठ्यक्रम अद्यतन कर सकता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों के अनेक संबद्ध महाविद्यालयों को वर्षों तक प्रतीक्षा करनी पड़ती है। यही वह भारत है जिसने वैश्विक नवाचार सूचकांक में 2014 के 76वें स्थान से 2024 में 39वें स्थान तक की छलांग लगाई है, लेकिन उसी भारत के प्रतिभाशाली युवा ऐसी शिक्षा व्यवस्था से गुजर रहे हैं जो उन्हें उस दुनिया के लिए तैयार कर रही है, जो उनके स्नातक होने तक बदल चुकी होती है।

इस स्थिति के लिए कोई एक पक्ष जिम्मेदार नहीं है। शिक्षकों की कमी, अनुसंधान में अपर्याप्त निवेश, प्रशासनिक चुनौतियाँ और व्यवस्था का विशाल आकार-सभी इसकी वजह हैं। फिर भी, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से हमने गुणवत्ता की तुलना में संख्या, परिणामों की तुलना में पहुँच और दक्षता की तुलना में प्रमाणपत्र को अधिक महत्व दिया है। समाधान विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़ाने में नहीं, बल्कि विश्वविद्यालयों और श्रम बाजार के बीच संबंधों को मजबूत बनाने में है। उद्योग अनुभव को वैकल्पिक क्रेडिट नहीं, बल्कि अनिवार्य घटक बनाया जाना चाहिए। पाठ्यक्रम संशोधन उद्योग की बदलती कौशल आवश्यकताओं के अनुरूप होने चाहिए और प्रत्यायन का मूल्यांकन केवल भवनों और पुस्तकालयों तक सीमित न रहकर यह भी देखे कि स्नातकों को सार्थक रोजगार मिल रहा है या नहीं।

भारत का जनसांख्यिकीय लाभांश वास्तविक है, लेकिन इसकी समय-सीमा भी निश्चित है। युवा आबादी को कुशल कार्यबल में बदलने का अवसर हमेशा खुला नहीं रहेगा। आज भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था के सामने सबसे बड़ी चुनौती अधिक सीटें बढ़ाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हर सीट एक सक्षम, रोजगारयोग्य और भविष्य के लिए तैयार नागरिक तैयार करे। जब तक ऐसा नहीं होता, तब तक विश्वविद्यालयों का विस्तार उपलब्धि तो कहलाएगा, लेकिन सफलता नहीं।

(लेखिका भारत के कौशल पारिस्थितिकी तंत्र में लगभग दो दशकों के अनुभव के साथ एक कार्यबल विकास और कौशल नीति के रूप में कार्यरत हैं। विचार व्यक्तिगत हैं।)

टिप्पणी

नीट पेपर लीक

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है।

कॉकरोच जनता पार्टी के पहले जमीनी विरोध प्रदर्शन में सामान्यतः अपेक्षाकृत संपन्न परिवारों से आए छात्र- नौजवानों का जमावड़ा लगा। उनका, जो शिक्षा के जरिए ऊंचे करियर का सपना देख सकने की स्थिति में होते हैं। शिक्षा की ढहती व्यवस्था उनके सपनों के साकार होने में रुकावट बन गई है, तो ये युवा ये पूछने निकले हैं कि इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसीलिए नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर जो शब्द सबसे ज्यादा सुनाई दिया, वो है- जवाबदेही।

छात्रों का सवाल है कि नीट पेपर लीक, सीबीएसई की ऑन स्क्रीन मार्किंग में गड़बड़ी, अनगिनत प्रवेश परीक्षाओं के आयोजन में अव्यवस्था आदि के लिए किसी को तो उत्तरदायी होना चाहिए? फिलहाल, उन्होंने इनके लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री को जवाबदेह माना है, इसलिए उनकी पहली मांग है कि धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। वैसे, प्रदर्शन स्थल पर सवाल यह भी उठा कि यूनिवर्सिटीज की टॉप वर्ल्ड रैंकिंग में पहले 100 स्थान में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय क्यों नहीं है? ये बुनियादी प्रश्न हैं। सत्ताधारी इनकी ज्यादा देर तक अनदेखी नहीं कर सकते। भाजपा नेतृत्व को समझना चाहिए कि कॉकरोच लामबंदी में बड़ी संख्या में वो नौजवान शामिल हुए हैं, जिनकी उम्र 15-25 वर्ष के बीच है। उन्होंने अपने होश में सिर्फ मोदी राज देखा है।

इसलिए उनके बीच पिछली सरकारों की नाकामियों का शोर मचाने की रणनीति निष्प्रभावी होने लगी है। ये पीढ़ी हिंदू- मुसलमान, देशद्रोही- पाकिस्तान आदि के नैरेटिव्स को सुनते हुए बड़ी हुई है। उससे उसको तब तक शिकायत नहीं थी, जब तक उन्हें अपना करियर सुरक्षित दिखता था। आम तुजुर्बा है कि जब अपना भविष्य दांव पर लगा दिखे, तो ऐसी कहानियां बेअसर होने लगती हैं। जंतर-मंतर एक ऐसी पीढ़ी के उभर चुकने का गवाह बना। सत्ता पक्ष को इस जमीनी बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। जवाबदेही की उठी मांग पर उसे सकारात्मक रुख अपनाना चाहिए। युवा भावनाओं को दबाने या भटकाने की कोशिश के उलटे परिणाम हो सकते हैं। याद रखना चाहिए कि दुनिया ज़ेन-जी परिघटना से गुजर रही है। अतः भारत में इस पीढ़ी की आंकाक्षाएं संवैधानिक दायरे में पूरी हो जाएं, इसे वर्तमान सरकार को अवश्य सुनिश्चित करना चाहिए।

ब्लॉग

ऐतिहासिक कार्यकाल, परिवर्तनकारी नेतृत्व

सीपी राधाकृष्णन

भारत ने 10 जून, 2026 को अपने लोकतांत्रिक इतिहास में एक नया अध्याय दर्ज किया। इस रोज श्रीमान नरेंद्र मोदीजी ने प्रधानमंत्री के रूप में निर्बाध सेवा के 4,399 दिन पूरे कर लिए। इसके साथ ही वह भारत के लगातार सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बन गए। यह ऐतिहासिक उपलब्धि सिर्फ राष्ट्र निर्माण के लिए उनकी दृढ़ प्रतिबद्धता को ही नहीं दिखाती। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के लोगों के अडिग विश्वास और आस्था को भी प्रतिबिंबित करती है। यह उनके दूरदर्शी नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास के लिए अथक प्रतिबद्धता तथा भारत की अवाम के कल्याण और आकांक्षाओं प्रति अटूट निष्ठा को प्रतिबिंबित करती है।

परिवर्तनकारी नेतृत्वः 4,366 दिन और आगे

श्रीमान नरेंद्र मोदीजी ने राष्ट्र के प्रधान सेवक के रूप में भारत में सुशासन और राष्ट्र प्रथम के सिद्धांतों पर आधारित अभूतपूर्व परिवर्तन के युग की शुरुआत की है। इतिहास अब्राहम लिंकन को मानव दासता का अभिशाप खत्म कर लाखों लोगों की गरिमा बहाल करने में उनके अडिग नेतृत्व के लिए उनका आदर करता है। इसी तरह, आने वाली पीढ़ियां 25 करोड़ से ज्यादा गरीबों को पूर्ण निर्धनता से बाहर निकालने के लिए श्रीमान नरेंद्र मोदीजी को याद करेंगी। उनकी दृष्टि, अथक प्रयासों और परिवर्तनकारी शासन ने अनगिनत परिवारों को अवसर, गरिमा और उम्मीद देकर सशक्त बनाया है तथा वे आर्थिक स्वतंत्रता और बेहतर भविष्य के आश्वासन को अपनाने में समर्थ बने हैं। उनका योगदान मानवता की सेवा में एक युगांतरकारी उपलब्धि के रूप में इतिहास में दर्ज रहेगा।

इतना ही नहीं, उनकी परिवर्तनकारी पहलकदमियों ने शिक्षा, आवासन, स्वच्छता, स्वास्थ्यसेवा और खाद्य निश्चितता के माध्यम से करोड़ों लोगों की गरिमा और सामाजिक सुरक्षा को सुनिश्चित किया है। विश्व के सबसे बड़े सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में से एक, आयुष्मान भारत योजना के जरिए 44 करोड़ से ज्यादा नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्यसेवा प्रदान की गई है। जल जीवन मिशन ने 12 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण घरों में सुरक्षित और विश्वसनीय पेयजल पहुंचा कर अनगिनत परिवारों को गरिमा प्रदान की और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। निःशुल्क खाद्यान्न के 2020 से जारी प्रावधान से लगभग 80 करोड़ लोगों की खाद्य सुरक्षा की रक्षा होने के अलावा यह सुनिश्चित हुआ है कि कोई भी कमजोर नागरिक पीछे नहीं छूटने पाए। इसके अतिरिक्त, 4 करोड़ से ज्यादा परिवारों का सुरक्षित और स्थाई घर का मालिक बनने का सपना पूरा हुआ जिससे उनमें सुरक्षा, गरिमा और भविष्य के लिए उम्मीद की भावना मजबूत हुई है। कुल मिला कर, ये पहलकदमियां एक सहृदय शासन और प्रत्येक भारतीय के कल्याण के लिए अटूट प्रतिबद्धता के स्थाई प्रतीक हैं।

प्रधानमंत्री मोदी जी के दृष्टिकोण ने समाज के हर वर्ग को सशक्त बनाया है—चाहे वे महिलाएं हों, युवा हों, किसान हों या वंचित वर्ग के लोग। 3 करोड़ से ज़्यादा लखपति दीदियों का सामने आना महिला नेतृत्व में विकास के उनके दृष्टिकोण का एक सशक्त प्रमाण है, जबकि नारी शक्ति के तहत शुरू की गई पहलों ने महिलाओं को देश के निर्माण में और भी अहम भूमिका निभाने में सक्षम बनाया है। नए आईआईटी, एम्स, मेडिकल कॉलेजों और उच्च शिक्षा संस्थानों की स्थापना से भारत में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का दायरा तेज़ी से बढ़ा है, जिससे देश के युवाओं के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा हुए हैं।

साथ ही, भारत ने इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में एक अभूतपूर्व क्रांति देखी है। वंदे भारत ट्रेनों, हवाई अड्डों, राजमार्गों और रेलवे स्टेशनों के तेज़ी से विस्तार से लेकर दूर-दराज़ के इलाकों तक कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने वाली परियोजनाओं तक, उनके नेतृत्व में एक आधुनिक, आपस में जुड़े हुए और महत्वाकांक्षी भारत की नींव रखी है। इन उपलब्धियों ने न केवल आर्थिक विकास को गति दी है, बल्कि देश भर के लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को भी बेहतर बनाया है।

भारत डिजिटल नवाचार, सेमी-कंडक्टर, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, वैक्सीन बनाने और मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक वैश्विक नेता के रूप में उभरा है, जिससे उभरती हुई नई प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में विश्व में हमारे देश की स्थिति और मजबूत हुई है।

विकास भी, विरासत भीः तमिल विरासत का सम्मान, तमिलनाडु का विकास

समकालीन नेताओं में प्रधानमंत्री श्रीमान नरेंद्र मोदी जी को जो बात सबसे अलग और अनूठी बनाती है, वह है उनका यह दृढ़ विश्वास कि विकास और परंपरा कोई परस्पर विरोधी विचार नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। विकास भी, विरासत भी की अपनी दूरदर्शी सोच के ज़रिए उन्होंने यह दिखाया है कि कोई देश अपनी सभ्यतागत विरासत से जुड़े रहते हुए भी तेज़ी से आधुनिकीकरण की राह पर आगे बढ़ सकता है।

उनके नेतृत्व में, भारत ने इन्फ्रास्ट्रक्चर, प्रौद्योगिकी, मैन्युफैक्चरिंग और समाज कल्याण के क्षेत्र में परिवर्तनकारी विकास किया है और इसके साथ ही अपनी प्राचीन संस्कृति, भाषाओं, आध्यात्मिक परंपराओं और ऐतिहासिक विरासत के प्रति एक नए गौरव का अनुभव किया है। चाहे पवित्र स्थलों का जीर्णोद्धार हो, सांस्कृतिक प्रतीकों का पुनरुत्थान हो, शास्त्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना या अमूल्य कलाकृतियों का संरक्षण हो- उनके शासन में आधुनिक आकांक्षाओं और शाश्वत मूल्यों का दुर्लभ समन्वय देखने को मिलता है।

प्रधानमंत्री मोदी जी के नज़रिए ने राष्ट्र-निर्माण की परिभाषा को नए सिरे से गढ़ा है। उन्होंने यह साबित किया है कि असली विकास का पैमाना सिर्फ़ आर्थिक तरक्की नहीं है, बल्कि इसे इस बात से भी मापा जाता है कि एक राष्ट्र अपनी विरासत को भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने, संजोने और सौंपने में कितना सक्षम है। उनकी विकास भी, विरासत भी की सोच एक ऐसे आत्मविश्वास से भरे और नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते भारत के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बन गई है, जो अपने गौरवशाली अतीत से मज़बूती से जुड़े रहते हुए भविष्य की ओर निडरता से कदम बढ़ा रहा है।

इस सोच का सबसे ज़्यादा फ़ायदा तमिलनाडु और दुनिया भर में फैले तमिल समुदाय को मिला है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में उनकी समृद्ध भाषाई, सांस्कृतिक और सभ्यतागत विरासत को अभूतपूर्व पहचान, सम्मान और समर्थन मिला है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में चलाई जा रही परिवर्तनकारी पहलों से तमिलनाडु को बहुत लाभ हुआ है, जिनमें चेन्नई मेट्रो रेल का विस्तार, चेन्नई-बेंगलुरु एक्सप्रेसवे, तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारा, बंदरगाहों और हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण, राष्ट्रीय राजमार्गों का विस्तार, रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास और नया पाम्बन रेल पुल शामिल हैं। भारत के पहले वर्टिकल-लिफ्ट सी-ब्रिज, नए पाम्बन रेल पुल का उद्घाटन एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो रामेश्वरम के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाता है और भारत की इंजीनियरिंग उत्कृष्टता का प्रतीक है। आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के निरंतर और दृढ़ प्रयास के कारण, तमिलनाडु इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल फोन और आईफोन मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक प्रमुख केंद्र के तौर पर भी उभरा है।

पूर्व के किसी भी प्रधानमंत्री ने तमिल भाषा, संस्कृति और विरासत को उस निरंतरता, प्रमुखता और वैश्विक स्तर पर बढ़ावा नहीं दिया जैसा श्रीमान नरेंद्र मोदी जी ने दिया है, उन्होंने तमिल सभ्यता को एक नई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पहचान दिलाई है। भारत और विदेशों में तमिल की प्राचीनता और साहित्यिक समृद्धि का उनके द्वारा लगातार किया गया गौरवगान दुनिया भर के तमिलों के दिलों को गहराई से छू गया है। इस गहरे संदेश को वैश्विक मंच पर लाकर, उन्होंने दुनिया को तमिल संस्कृति में निहित शाश्वत मानवीय मूल्यों और उसकी समृद्ध सभ्यतागत विरासत से परिचित कराया। मानवता को यह एहसास हुआ कि कार्ल मार्क्स से सदियों पहले ही तमिलों ने एक मानवता के नेक विचार को अपनाया था। वसुधैव कुटुंबकम की पहल भी इसी दर्शन पर आधारित है।

काशी-तमिल संगमम और सौराष्ट्र-तमिल संगमम जैसी पहलों ने सांस्कृतिक संबंधों को मज़बूत किया है और उन स्थायी सभ्यतागत रिश्तों को उजागर किया है जो हमारे देश को एकजुट करते हैं। हमारे नए संसद भवन में सेंगोल की स्थापना, भारत की लोकतांत्रिक और सभ्यतागत विरासत में तमिलनाडु के योगदान की एक सटीक पहचान है। प्रधानमंत्री मोदी जी की गंगईकोंडा चोलपुरम की यात्रा चोल वंश की विरासत को उजागर करती है। साथ ही, विदेशों से बेशकीमती कलाकृतियों और प्राचीन वस्तुओं को वापस लाने की व्यापक रूप से सराहना की गई है, इनमें हाल ही में अनाईमंगलम से मिली चोल-युगीन तांबे के ताम्रपत्र भी शामिल हैं। मंदिरों, धरोहर स्थलों, शास्त्रीय साहित्य और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण के लिए उनके समर्थन के साथ-साथ, इन प्रयासों ने विश्व में तमिल सभ्यता की प्रतिष्ठा को बढ़ाया है और तमिल भाषा व संस्कृति के प्रति उनके गहरे सम्मान को भी दर्शाया है।

हर दौर में इतिहास ऐसे नेताओं के उदय का गवाह रहा है, जिनकी सोच और काम उनके समय की सीमाओं से कहीं आगे होते हैं। ऐसे लोगों को युग पुरुष के तौर पर याद किया जाता है क्योंकि वे देश की नियति बदलते हैं और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करते हैं। अपने परिवर्तनकारी नेतृत्व, राष्ट्रीय विकास के प्रति प्रतिबद्धता और जनता की अथक सेवा के माध्यम से, वह समकालीन भारत के एक सच्चे युग पुरुष के रूप में उभरे हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि उनका कुशल नेतृत्व राष्ट्र को विकसित भारत ञ 2047 की ओर ले जाएगा।

(लेखक भारत के उपराष्ट्रपति हैं)

मनीषा हत्याकांड की कहानी

'सिर, हाथ और पीठ पर 8 वार', जन्मदिन से तीन दिन पहले कत्ल, इस बात से खफा पति मारा

आर्यावर्त संवाददाता

बागपत. बागपत में मनीषा हत्याकांड में परिवार ने गंभीर आरोप लगाए हैं। मनीषा के पिता का आरोप है कि परिवार ने साजिश के तहत मनीषा की हत्या की है। दरअसल, मनीषा के आठ साल पहले अंतरजातीय विवाह करने पर माता-पिता ने उससे रिश्ता तोड़ लिया था। इसके बाद मनीषा रिश्तेदारों के संपर्क में थी, लेकिन कभी घर नहीं गई। अब परिजनों ने मरने के बाद मनीषा का मुंह देखा। पिता पंकज ने आरोप लगाया कि पति ने हत्या की साजिश रचने के बाद बेटी अनन्या से फोन कराकर मनीषा को खैला गांव बुलवाया और फिर उसकी हत्या कर दी। उन्होंने हत्या में अन्य परिजनों के

गर्दन पर फरसे से वार कर की थी हत्या

मनीषा की हत्या गर्दन पर फरसे से कई वार करके की गई थी। इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हुआ। रविवार को दो चिकित्सकों के पैनल ने शव का पोस्टमार्टम किया, जिसमें मनीषा की गर्दन पर फरसे के कई वार होना पाया गया। जबकि सिर, हाथ और पीठ पर भी फरसे के वार मिले।

शामिल होने का आरोप लगाते हुए गिरफ्तार करने की मांग की। मनीषा की हत्या की जानकारी मिलने पर बिजनौर जिले के सोहागपुर निवासी पंकज अपनी पत्नी अनीता व बेटी शिवानी समेत अन्य परिजनों के साथ रविवार को पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। उन्होंने बताया कि शनिवार रात करीब साढ़े 12 बजे चांदीनगर पुलिस ने उनकी छोटी बेटी शिवानी को फोन करके मनीषा की हत्या होने के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मनीषा चार भाई-बहनों में सबसे बड़ी थी। परिवार में बच्चा नहीं होने पर उनके छोटे भाई ब्रजपाल ने मनीषा को गोद ले लिया था। उन्होंने ही मनीषा का पालन पोषण किया।

पंकज ने बताया कि वह ठाकुर जाति से हैं और राहुल गुर्जर है। आठ साल पहले हरिद्वार में मनीषा ने जब राहुल भाटी से शादी की तो उन्होंने अंतरजातीय विवाह का विरोध भी किया और फिर मनीषा से रिश्ता तोड़ लिया था। इसके बाद कभी मनीषा से मुलाकात नहीं हुई और न ही वह कभी घर आई।

मनीषा ने चार-पांच दिन पहले अपनी छोटी बहन शिवानी से फोन पर बात की थी। मनीषा कह रही थी कि उसकी बेटी अनन्या बार-बार फोन करके उसके बिना मन नहीं लगने और साथ ले जाने की बात कह रही थी। इसके बाद ही बेटी को ले जाने के लिए मनीषा 19 जून को खैला गांव पहुंच गई। आरोप लगाया कि राहुल भाटी और उसके परिजनों ने साजिश रचकर मनीषा को गांव में बुलवाकर हत्या की है। उन्होंने पुलिस से मनीषा को न्याय दिलाने की मांग की। उधर, पोस्टमार्टम के बाद मनीषा का शव खैला ले जाया गया, जहां उसके चार वर्षीय बेटे कविश ने श्मशान घाट में चिता को मुखाग्नि दी।

जन्मदिन पर वृंदावन जाना चाहती थी मनीषा

पिता पंकज ने बताया कि 23 जून को उसकी बेटी मनीषा का जन्मदिन था, जिसको लेकर वह काफी खुश थी और वृंदावन जाकर मंदिर में पूजा अर्चना भी करना चाहती थी। मगर जन्मदिन से तीन दिन पहले ही उसकी हत्या कर दी गई।

छोटे भाई का ऑपरेशन कराना चाहती थी मनीषा

पंकज ने बताया कि उसका इकलौता बेटा लक्की कई साल से बीमार चल रहा है, जिसका चिकित्सकों ने ऑपरेशन बता रखा है। इसके बारे में पता चलने पर मनीषा अपने खर्चे पर लक्की का ऑपरेशन कराने की तैयारी कर रही थी। इसके लिए चिकित्सकों से समय भी मांगा गया था।

हत्यारोपी को फांसी की सजा होनी चाहिए

पंकज ने कहा कि उसकी बेटी मनीषा की हत्या निर्मम तरीके से की गई है। उन्होंने हत्यारोपी राहुल का एनकाउंटर कराने और फांसी की सजा दिलाने की मांग की। इसमें सीओ रोहन चौरसिया का कहना है कि हत्यारोपी राहुल भाटी से फरसा, मोबाइल समेत अन्य सामान बरामद किया है। इसके बाद रविवार को पुलिस ने हत्यारोपी राहुल भाटी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया।

हाइवे के किनारे फार्म 6 आदि मामले में श्यामलाल ने प्रशासन को दी चेतावनी

सुलतानपुर। लम्भुआ कस्बे में हाईवे के किनारे फॉर्म 6 आदि अभिलेख कई बोरियों में झाड़ी में फेंके होने की सूचना मिलते ही सपा नेता व मोस्ट निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद एस.डी.एम. लम्भुआ से मिल कर फार्म 6 आदि अभिलेख रोड के किनारे कैसे गए? इसका कौन है जिम्मेदार? दोषी कब तक जायेगें जेल? आदि गंभीर सवाल किए और उप जिलाधिकारी को चेतावनी दी कि लंभुआ की जनता को जल्द जवाब न मिला तो सड़क पर उतरेंगे। सपा नेता श्यामलाल निषाद ने यह भी आशंका जाहिर की है कि ऐसा प्रतीत होता है बीजेपी नेताओं के निर्देश पर प्रशासन द्वारा लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस हर स्तर पर संघर्ष करेगी। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जिलाध्शहर कांग्रेस कमेटी व्यापक जनआंदोलन शुरू करेगी,जिसकी समस्त जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

वनवासी बस्ती में किया रात्रि जन चैपाल

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। विकास खंड रामपुर की ग्राम पंचायत पट्टीकीरत राय स्थित अटल आवासीय परिसर (वनवासी बस्ती) में रात्रि जन चैपाल का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक मड़ियाहूं डॉ. आर.के. पटेल, ब्लॉक प्रमुख राहुल सिंह, जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह, पूर्व विधायक सुषमा पटेल, जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री तथा जनपद के प्रभारी मंत्री ए.के. शर्मा वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि कोई भी पात्र व्यक्ति आवास, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, पेंशन तथा अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे। उन्होंने गांव में पेयजल, सड़क और अन्य मूलभूत सुविधाओं को शत-प्रतिशत उपलब्ध कराने पर जोर दिया। विधायक डॉ. आर.के. पटेल ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंच रहा है, जिससे ग्रामीणों के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव आया है। पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह ने कहा कि सरकार अंतिम पायदान के व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। पूर्व विधायक सुषमा पटेल ने महिलाओं, किसानों और युवाओं को सरकारी योजनाओं से जुड़ने का आह्वान किया।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागीय स्टालों का निरीक्षण किया तथा पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास योजना के तहत लाभार्थियों को ई-रिक्शा वितरित किए गए। वहीं मुख्यमंत्री आवास योजना, श्रम कार्ड, अंत्योदय कार्ड, आयुष्मान भारत योजना, पीएम सूर्यघर योजना सहित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

मां के पास सो रही थी 9 महीने की मासूम... खेत में ले जाकर मामा ने की दरिंदगी, गोरखपुर में हैवानियत

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 14 साल के किशोर पर अपनी ही 9 महीने की भांजी को अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, यह वारदात शनिवार तड़के उस समय हुई जब मासूम बच्ची अपने घर में अपनी मां के पास सो रही थी।

सुबह जब मां की आंख खुली तो बच्ची को गायब पाकर परिवार में हड़कंप मच गया। परिजनों और ग्रामीणों ने मिलकर पूरे गांव में बच्ची की तलाश शुरू की। कई घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद, बच्ची घर से करीब 500 मीटर दूर एक खेत में बने टिन शेड में बेहोश और लहूलुहान हालत में मिली। उसके शरीर पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिसके बाद उसे तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने दुष्कर्म की पुष्टि की। गोरखपुर के एएसपी पाटिल निमिष दशरथ ने बताया कि आरोपी कोई और नहीं बल्कि बच्ची का दूर का मामा है, जो हाल ही में गांव लौटा था। पुलिस को गुमराह करने के लिए आरोपी खुद भी पीड़ित परिवार और ग्रामीणों के साथ मिलकर बच्ची को ढूंढने का नाटक कर रहा था।

कैसे पकड़ा गया आरोपी?

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। घटनास्थल का मुआयना करने, स्थानीय लोगों से पूछताछ और सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस का शक किशोर पर गहराया। हिरासत में लेकर जब कड़ाई से पूछताछ की गई, तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने दावा किया कि घटना के समय वह अत्यधिक शराब के नशे में था और उसी हालत में उसने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने आरोपी का मोबाइल फोन जब्त कर लिया है और उसमें मौजूद सामग्री की जांच की जा रही है। साथ ही फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य और स्वैब सैंपल एकत्र कर जांच के लिए भेज दिए हैं। पुलिस ने बताया कि कानूनी प्रक्रिया पूरी कर नाबालिग आरोपी को शेल्टर होम भेज दिया गया है और उसे जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश किया जाएगा।

मुठभेड़ में हुई मौत की उच्च स्तरीय जांच की मांग

आर्यावर्त संवाददाता

जौनपुर। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा की जिला इकाई ने बिहार के भोजपुर निवासी भरत भूषण तिवारी की कथित पुलिस मुठभेड़ में हुई मौत के मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। संगठन ने इस घटना के दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की भी मांग की है।महासभा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इस संबंध में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट इंद्र नंदन सिंह को सौंपा। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सोशल मीडिया और समाचार माध्यमों से मिली जानकारी के अनुसार, भरत भूषण तिवारी को बिहार पुलिस और एसटीएफ टीम ने कथित तौर पर आत्मसमर्पण के बावजूद गोली मार दी थी। महासभा ने इस घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए किसी राष्ट्रीय संवैधानिक संस्था से इसकी निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि यदि जांच में पुलिसकर्मियों की संलिप्तता पाई जाती है, तो उनके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके।संगठन ने देश के विभिन्न हिस्सों में ब्राह्मण समाज के लोगों पर कथित अत्याचार, फर्जी मुकदमों और अन्यायपूर्ण कार्रवाई की घटनाओं को रोकने के लिए भी प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। महासभा के पदाधिकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच नहीं कराई गई, तो संगठन जनपद से लेकर प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर तक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। अरविन्द कुमार सिद्ध, रमेश कुमार चैबे, राकेश तिवारी, रमाशंकर पाठक, अनुज मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, कृपाशंकर और अरुण मिश्र सहित कई अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

झाड़ियों में पड़े मिले मतदाताओं के सैकड़ों फॉर्म-6, निर्वाचन व्यवस्था पर उठे सवाल, मचा हड़कंप

आर्यावर्त संवाददाता

लभ्भुआ (सुल्तानपुर)। भारत निर्वाचन आयोग की मतदाता पंजीकरण व्यवस्था में बड़ी लापरवाही सामने आई है। लंभुआ कस्बे के दियरा रोड के पास हाइवे किनारे झाड़ियों में मतदाता पंजीकरण के सैकड़ों भरे हुए फॉर्म-6 पड़े मिले। इन फॉर्मों में मतदाताओं की निजी जानकारियों के साथ आधार कार्ड समेत अन्य दस्तावेजों की छायाप्रतियां भी लगी हुई थीं।

बरामद फॉर्मों में अधिकांश आवेदन लंभुआ कस्बे के गोसाईं का पूरा (गांधी नगर) क्षेत्र के मतदाताओं से जुड़े बताए जा रहे हैं। खुले में पड़े इन दस्तावेजों को देखकर स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई। ग्रामीणों ने इसकी सूचना संबंधित अधिकारियों को दी, जिसके बाद निर्वाचन विभाग में भी हड़कंप मच गया।

फॉर्म-6 में मतदाता का नाम, पता, उम्र, मोबाइल नंबर सहित कई महत्वपूर्ण जानकारियां दर्ज होती हैं। इसके साथ लगे पहचान संबंधी दस्तावेजों के खुले में मिलने से डेटा की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। निर्वाचन प्रक्रिया में ऐसे दस्तावेजों को सुरक्षित रखने के लिए स्पष्ट नियम और प्रोटोकॉल तय हैं, लेकिन सैकड़ों फॉर्मों का इस तरह सड़क किनारे मिलना पूरी व्यवस्था की निगरानी पर सवाल खड़े करता है। लापरवाही किस स्तर पर हुई, फॉर्म यहां तक कैसे पहुंचे और इसके लिए जिम्मेदार कौन है, इसकी जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि मतदाताओं की निजी जानकारी की सुरक्षा में ऐसी चूक गंभीर मामला है और जिम्मेदार लोगों पर सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। लम्भुआ एसडीएम प्रीति जैन ने बताया कि मामले का संज्ञान लिया गया है। जांच शुरू कर दी गई है। लापरवाही सामने आने पर संबंधित कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

वकील पर हमले के मामले में मुकदमा दर्ज

जौनपुर। केराकत थाना अंतर्गत ग्राम थानागद्दी में पुरानी रंजिश और जमीनी विवाद को लेकर बार एसोसिएशन के पूर्व महामंत्री पर जानलेवा हमका करने के मामले में पुलिस ने चार नामजद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर दिया।मंगलवार को अधिवक्ता मुकेश शुक्ला के बड़े पिता की तेरही थी वे सबेरे साढ़े 9 बजे बाइक से कुछ सामान लेने केराकत जा रहे थे रास्ते में मनबढ़ और आवारा बदमाशों ने न सिर्फ अधिवक्ता के साथ मारपीट और गाली-गलौज की, बल्कि उनकी मोटरसाइकिल भी तोड़ डाली थी। पीड़ति अधिवक्ता ने उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी और कोतवाल से लिखित शिकायत की थी।थानागद्दी निवासी केराकत तहसील बार के वरिष्ठ अधिवक्ता मुकेश कुमार शुक्ला तीन बार महामंत्री रह चुके हैं। अधिवक्ता के ऊपर हुए हमले से तहसील बार एसोसिएशन आक्रोशित हो गया था।

यूपी में तिहरा हत्याकांड : बड़े भाई, भाभी और भतीजे का क्रूरता से कत्ल, नाबालिग कातिल ने आधी रात मचाया कत्लेआम

आर्यावर्त संवाददाता

गोरखपुर। गोरखपुर के बांसगांव थाना इलाके में रविवार देर रात हुई एक भयावह घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। एक 16 वर्षीय किशोर ने कथित तौर पर अपने बड़े भाई, भाभी और तीन वर्षीय भतीजे की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी। इस वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित कई आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मृतकों की पहचान अमित गुप्ता, उनकी पत्नी रंजना गुप्ता और उनके तीन वर्षीय पुत्र रेयान गुप्ता के रूप में हुई है। तीनों रविवार की रात घर के एक कमरे में सो रहे थे, तभी आरोपी छोटे भाई ने सोते समय उन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। इस क्रूर वारदात में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के पिता ने तत्काल पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने आरोपी 16 वर्षीय किशोर को भी हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। वारदात में इस्तेमाल किया गया हथियार भी उसके पास से बरामद कर लिया गया है।

एफआईआर दर्ज, जांच जारी

मृतक अमित गुप्ता के पिता द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर बांसगांव थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जा रही है और मामले में आगे की जांच जारी है। इस घटना ने एक बार फिर पारिवारिक कलह के गंभीर परिणामों को उजागर किया है।

पारिवारिक विवाद की आशंका

एसपी दक्षिणी दिनेश पुरी ने बताया कि रविवार देर रात करीब तीन बजे एक ही परिवार के तीन लोगों की हत्या की सूचना मिली थी। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी ने सोते समय वारदात को अंजाम दिया। घटना के पीछे पारिवारिक विवाद की बात कही जा रही है। हालांकि, पुलिस सभी पहलुओं की गहन जांच कर रही है ताकि सच्चाई का पता लगाया जा सके।

गांव में मातम और आक्रोश

एक ही परिवार के तीन सदस्यों की इस निर्मम हत्या से पूरे गांव में मातम का माहौल है। सोमवार की सुबह जब घटना की जानकारी फैली तो बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर जुट गए। लोगों में घटना को लेकर गहरा आक्रोश भी देखा जा रहा है। पुलिस ने मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं और मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है।

यूपी के मंदिर में पुजारी का कत्ल: नासिक के पंचवटी आश्रम में 45 साल तक रहे थे महंत, शिष्या के बयान से उलझी कहानी

प्रारंभिक जांच में पुजारी की शिष्या और उसके बांदा कोतवाली क्षेत्र निवासी मामा की भूमिका संदिग्ध है। दोनों हिरासत में हैं। शिष्या पूछताछ में बार-बार बयान बदल रही है। पुजारी और उनकी शिष्या के बारे में विस्तार से पता लगाकर घटना की जांच गहराई से की जा रही है। पुलिस जल्द ही घटना का खुलासा करेगी।

- पलाश बंसल, पुलिस अधीक्षक, बांदा।

आर्यावर्त संवाददाता

बांदा। बांदा शहर कोतवाली क्षेत्र के तिंदवारा गांव में त्रिदेव-शनि देव मंदिर की छत पर पुजारी बालब्रह्मचारी सच्चिदानंद महाराज (68) के सिर पर लाठी से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी गई। पुजारी से कुछ दूरी पर सो रही उनकी शिष्या ने शोर मचाया तो हमलावर मौके से भाग निकले। वारदात में शिष्या और उसके मामा की भूमिका संदिग्ध मानकर पुलिस उससे पूछताछ कर रही है। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटाने के साथ लाठी बरामद की है। वहीं हत्या के पीछे की वजह अब तक साफ नहीं हो सकी है।

तिंदवारा गांव में त्रिदेव-शनि देव का मंदिर आबादी से दूर स्थित है। बीते 10 साल से गांव के ही बालब्रह्मचारी सच्चिदानंद महाराज मंदिर की देखरेख और पुजारी का काम करते थे। उनकी शिष्या 25 वर्षीय रोशनी सिंह राजपूत ने पुलिस को बताया कि शनिवार की रात करीब 1:30 बजे मंदिर में घुसे हमलावरों ने सोते समय पुजारी के सिर पर लाठी से ताबड़तोड़ वार कर उन्हें लहूलुहान कर दिया।

वह उनसे कुछ दूरी पर सोई थी। उनकी चीख सुनकर उसने शोर मचाया। शोर सुनकर मंदिर से 40 मीटर की दूरी पर जानवरों के बाड़े में सो रहे पुजारी के छोटे भाई चिंतामणि की नींद खुली। वह दौड़कर मंदिर आए और बेहोश पुजारी को लेकर रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज गए। इमरजेंसी में प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने पुजारी को कानपुर के लिए रेफर किया। परिजन उन्हें कानपुर न ले जाकर प्राइवेट अस्पताल ले गए, वहां पुजारी ने दम तोड़ दिया। भाई चिंतामणि ने कोतवाली में अज्ञात हमलावर के खिलाफ हत्या की प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस ने आशंका जताई है कि शिष्या से मिलने उसका कोई करीबी आया होगा और पुजारी ने देख लिया होगा। भेद खुल जाने के डर से उसी ने पुजारी पर जानलेवा हमला किया है।

नासिक के पंचवटी आश्रम में 45 साल तक रहे थे महंत

बांदा के तिंदवारा गांव निवासी सच्चिदानंद महाराज बाल ब्रह्मचारी थे। उन्होंने बचपन में वैराग्य धारण कर लिया था। छोटे भाई चिंतामणि नामदेव ने बताया कि महाराज 45 साल तक नासिक के पंचवटी में महंत की गद्दी पर रहे थे। 10 साल से अपने पैतृक गांव तिंदवारा में आकर त्रिदेव मंदिर को अपना ठिकाना बनाया था। चिंतामणि नामदेव ने बताया कि वह तीन भाई और दो बहनें हैं। सबसे बड़े अशोक नामदेव, फिर सच्चिदानंद, और उनके बाद वह हैं। उनके पास नौ बीघा पैतृक जमीन है। बड़े भाई अशोक और चिंतामणि का परिवार गांव के अंदर आबादी में रहता है। उन्होंने रंजिश से इन्कार किया है।

खुलासे के लिए लगाई गईं पुलिस की चार टीम

पुजारी की हत्या के मामले में सीओ सिटी मेविस टॉक ने बताया कि घटना के खुलासे के लिए चार टीमों को लगाया गया है। घटनास्थल की फॉरेंसिक टीम, डॉग स्क्वायड की टीम ने जांच कर मौके से तकनीकी व महत्वपूर्ण साक्ष्य का संकलन किया है। पुजारी के शरीर पर चोटों के निशान मिले हैं।

तीन घंटे बाद दी सूचना, पांच घंटे में पहुंची पुलिस

सच्चिदानंद महाराज की हत्या की जानकारी पुलिस को सुबह चार बजे हुई। परिजन और प्राइवेट अस्पताल के स्टाफ ने घटना की जानकारी वारदात के तीन घंटे गुजरने के बाद दी। पुजारी के भाई चिंतामणि ने बताया कि महाराज को रात करीब दो बजे लहूलुहान हॉल में वह रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले गए थे। वहां डॉक्टरों ने महाराज के सिर पर चार गहरे घाव देखकर और खून काफी बह जाने के कारण कानपुर के लिए रेफर कर दिया था।

वह प्राइवेट अस्पताल ले गए। महाराज की मौत पर अस्पताल के स्टाफ व परिजनों ने डायल-112 पर फोन कर पुलिस को सूचना दी। तब पुलिस अस्पताल और फिर घटनास्थल पहुंची। यह कवायद करते-करते पुलिस को रविवार के सुबह नौ बज गए।

12 वर्ष से अधिक लम्बित प्रकरण निस्तरित

जौनपुर। तहसीलदार बदलापुर ने अवगत कराया है कि तहसील बदलापुर अवस्थित राजस्व ग्राम पहितियापुर में जटाशंकर पुत्र राम मूरत व दयाशंकर पुत्र रामसूरत तथा शेषनाथ व भवनाथ पुत्रगण राम शिरोमणि के बीच पुश्तैनी भूमि को लेकर विगत दशकों से विवाद चला रहा था। पक्ष द्वारा सिविल न्यायालय में इस हेतु पूर्व में वाद योजित किया गया था। इस भूमि पर मकान आदि का निर्माण पक्ष नहीं कर पा रहे थे। जिलाधिकारी के समक्ष प्रार्थना पत्र प्रस्तुत कर प्रकरण का निस्तारन कराए जाने का अनुरोध किया गया। सर द्वारा राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम बनाकर पक्षों में सामंजस्य बैठाकर निस्तारन कराने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देश के अनुपालन में उपजिलाधिकारी महोदया के आदेश के क्रम में तहसीलदार बदलापुर व थाना प्रभारी , सिंगरामऊ द्वारा संयुक्त रूप से राजस्व व पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मौके पर पहुंचकर सम्पूर्ण प्रकरण का सिलसिलेवार परीक्षण किया गया।

कान में दर्द क्यों होता है? डॉक्टर से जानिए कब होता है ज्यादा खतरनाक, लक्षण और उपाय

कान में दर्द होना एक आम समस्या है, लेकिन इसको कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए। कान में दर्द के कई कारण होते हैं। ये होता क्यों है बचाव कैसे करें इस बारे में एक्सपर्ट्स ने बताया है।

सर्दियों में सेहत को कई तरह की समस्याएं होती हैं। ठंड में कान की बीमारियां भी काफी आम हो जाती हैं। कान में दर्द सबसे कॉमन है। कुछ लोगों में यह दर्द इतना तेज होता है कि सहन करना भी मुश्किल हो जाता है। इस दर्द के कई कारण होते हैं और इसको हल्के में नहीं लेना चाहिए। दर्द लंबे समय तक रहे तो सुनने की क्षमता तक पर असर पड़ सकता है। कान में दर्द क्यों होता है। इसका इलाज क्या है और इससे बचाव के लिए क्या करना चाहिए इस बारे में डिटेल में जानते हैं।

सर्दियों में कई तरह के वायरस एक्टिव होते हैं। ये नाक में प्रवेश करते हैं यहां से यूस्टेशियन ट्यूब (एक पतली नली जो कान को नाक से जोड़ती है) से कान में चले जाते हैं। जब ये वायरस कान में आते हैं तो वहां संक्रमण हो जाता है। जिस कारण कान में दर्द होता है।

कान में ज्यादा मैल क्यों बनता है?

गाजियाबाद में ईएनटी विशेषज्ञ डॉ बीपी त्यागी बताते हैं कि कान की नियमित सफाई न करना, कान का गीला रह जाना ज्यादा मैल बनने का कारण होते हैं। कुछ लोगों में सर्दी- या जुकाम की समस्या लंबे समय तक बनी रहती हैं इससे साइनस हो जाता है। साइनस की वजह से नाक और आंख मे भी दर्द होता है जो बढ़कर कान तक भी जाता है और इससे भी कानों में दर्द होने लगता है। कान में पानी चले जाना भी मैल का कारण बनता है।

डॉ त्यागी कहते हैं कि अगर किसी व्यक्ति के कान में पानी गया है तो कान को एक तरफ झुकाएं और हल्का- हल्का हिलाएं। कान के आसपास हल्की गर्म सिकाई करें। इससे पानी निकल जाता है। कुछ लोग कान से पानी साफ करने के लिए ड्रायर का भी यूज करते हैं, लेकिन ऐसा करने से बचना चाहिए। ये कान को नुकसान कर सकता है।

कान में दर्द की वजह से क्या-क्या समस्याएं होती हैं

कान में दर्द की वजह से कई तरह की दूसरी परेशानियां भी होती हैं।

कान में दर्द क्यों होता है

अगर किसी व्यक्ति को लंबे समय तक साइनस का इंफेक्शन रहता है तो इससे भी कान में दर्द होता है

गले में लंबे समय तक दर्द रहने से भी ये दर्द कानों तक जा सकता है।

अगर कोई व्यक्ति हवाई यात्रा करता है तो ऊंचाई पर जाने से Eustachian Tube बंद हो जाती है जिससे कान में दर्द होता है।

कान में मैल का ज्यादा जमना भी मैल का एक बड़ा कारण है

जिसमें आम तौर पर

कान में सीटी बजने जैसी आवाज का आना

कम सुनाई देना

काम से पानी आना

सिरदर्द की समस्या

दर्द के साथ- साथ खुजली होना

जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

किन लोगों में कान में इंफेक्शन ज्यादा होते हैं?

बच्चे, बुजुर्गों, जिनको साइनस की बीमारी वाले, तैराकी करने वाले और जिनको असर एलर्जी होती है उन लोगों में कान में इंफेक्शन के मामले ज्यादा देखे जाते हैं। हर साल सर्दियों में कान में दर्द की समस्या लेकर जो लोग आते हैं उनमें इनकी संख्या अधिक होती है। ऐसे लोगों को कान के लिए ड्रप नियमित रूप से डालने की सलाह दी जाती है और कान की विशेष देखभाल करने को भी कहा जाता है।

कान में दर्द न हो इसके लिए बचाव के उपाय क्या हैं

कान की नियमित सफाई करें

पानी चला जाए को कान को साफ करें

कान में कॉटन बड न डालें, इससे स्किन और ड्राई व डैमेज हो सकती है।

गर्म पानी की बोतल या कपड़े से सिकाई करें

सरसों या जैतून का तेल को हल्का गर्म करके 2-3 बूँदें डालें

अगर खुजली के साथ पानी, बदबू या दर्द हो, तो तुरंत ईएनटी डॉक्टर से मिलें।

डॉक्टर की सलाह पर पेन किलर लें

कान में दर्द का समय पर इलाज क्यों है जरूरी

कान में दर्द की शुरुआत में इंफेक्शन बाहरी कान की तरफ ही होता है, लेकिन अगर इसके इलाज में किसी भी तरह की लापरवाही की तो यह इंफेक्शन कान के बीच में चला जाता है और इसका असर सुनने की क्षमता और कान के ड्रम तक भी पहुंच सकता है। यह स्थिति खतरनाक होती है। ऐसे में कान के दर्द को कभी भी हल्के में न लें।

कान में दर्द होने पर डॉक्टर को कब दिखाएं

अगर कान में दर्द बहुत तेज है और लगातार हो रहा है

कान से मवाद आए या फिर खून आए

कान में तेज दर्द के साथ बुखार भी हो

सुनने की क्षमता कम लगे

कान में दर्द होने पर क्या न करें

कान में रुई या कोई नुकीली चीजें न डालें

सड़क किनारे वालों कान साफ करने वालों से कान की सफाई न कराएं

कंधे में दर्द होने पर आजमाएं ये घरेलू नुस्खे, जल्द मिलेगा आराम

कंधे में दर्द होना एक आम समस्या है, जो किसी भी उम्र के लोगों को हो सकती है। यह दर्द अक्सर गलत मुद्रा में बैठने, भारी सामान उठाने या अचानक किसी चीज को खींचने के कारण होता है। इससे रोजमर्रा की गतिविधियों में काफी दिक्कत होती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान घरेलू नुस्खे बताएंगे, जिन्हें अपनाकर आप अपने कंधे के दर्द को कम कर सकते हैं और जल्दी राहत पा सकते हैं।

गर्म सिकाई करें

गर्म सिकाई कंधे के दर्द को कम करने का एक सरल और प्रभावी तरीका हो सकता है। इसके लिए एक गर्म पानी की बोतल लें और उसे दर्द वाले हिस्से पर लगाएं। इसे लगभग 15-20 मिनट तक लगाकर रखें। यह रक्त प्रवाह बढ़ाने में मदद करता है और मांसपेशियों की जकड़न को कम करता है। ध्यान रखें कि पानी बहुत गर्म न हो, वरना त्वचा को जलन हो सकती है। नियमित रूप से इसका उपयोग करें।

हल्दी का सेवन करें

हल्दी में खास तत्व होते हैं, जो सूजन कम करने में मदद करते हैं। यह गुण कंधे के दर्द को कम करने में सहायक हो सकता है। एक गिलास गर्म दूध में आधा चम्मच हल्दी पाउडर मिलाकर पीने से शरीर में सूजन कम होती है और दर्द में राहत मिलती है। इसके अलावा आप हल्दी को खाने में भी शामिल कर सकते हैं, जिससे आपके शरीर को प्राकृतिक रूप से दर्द निवारण हो सके।

तिल का तेल लगाएं

तिल का तेल ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होता है, जो मांसपेशियों की सूजन कम करने में मदद करता है। इस तेल को हल्का गर्म करके प्रभावित क्षेत्र पर मालिश करें। इससे रक्त प्रवाह बढ़ता है और दर्द में राहत मिलती है। नियमित रूप से इस उपाय का उपयोग करने से आपके कंधे की मांसपेशियां मजबूत होती हैं और दर्द की समस्या कम होती है। यह एक सुरक्षित और प्रभावी घरेलू नुस्खा है, जिसे आप आजमा सकते हैं।

अदरक की चाय पिएं

अदरक में ऐसे तत्व होते हैं, जो दर्द निवारक की तरह काम करते हैं। एक कप पानी में कुछ टुकड़े ताजे अदरक के डालकर उबालें, फिर इसे छानकर पीएं। इससे आपके शरीर की अंदरूनी सूजन कम होती है और दर्द में राहत मिलती है। अदरक की चाय पीने से न केवल कंधे का दर्द कम होता है, बल्कि यह आपकी सेहत के लिए भी फायदेमंद होती है। नियमित रूप से इसका सेवन करें।

योग और स्ट्रेचिंग करें

योग और स्ट्रेचिंग कसरत करने से भी कंधे का दर्द कम हो सकता है। विशेषकर उन योगासनों का अभ्यास करें, जो कंधों की मांसपेशियों को खींचते-खिंचते हैं जैसे भुजंगासन, वीरभद्रासन आदि। इसके अलावा रोजाना 10-15 मिनट स्ट्रेचिंग करने से भी फायदा होता है। इन घरेलू नुस्खों को अपनाकर आप अपने कंधे के दर्द से जल्दी राहत पा सकते हैं और अपनी दिनचर्या को बिना किसी रुकावट के जारी रख सकते हैं।

विटामिन A से विटामिन C की कमी होगी दूर, ये हरी पत्ती है वरदान

शरीर को कई विटामिन की जरूरत होती है, जिसमें से एक है विटामिन सी और विटामिन ए. इन दोनों की कमी से सेहत को कई समस्याएं होती हैं. अगर आपको भी विटामिन सी और विटामिन ए की कमी दूर करनी है तो हम आपको एक ऐसी पत्ती बताने जा रहे हैं, जो सेहत के लिए वरदान से कम नहीं है.

विटामिन्स हमारे शरीर के लिए बेहद जरूरी होती है। खासतौर पर विटामिन A और विटामिन C। विटामिन A की कमी से आंखों की रोशनी पर असर पड़ता है। इसके अलावा त्वचा का रूखा और पपड़ीदार होना, बार-बार संक्रमण, बच्चों के विकास में देरी, और बालों का झड़ना शामिल हैं। साथ ही विटामिन सी की कमी होने पर त्वचा बेजान होना, मसूड़ों में खून आना और इम्यूनिटी वीक होना विटामिन सी के लक्षण हैं। इन विटामिन्स की कमी का सबसे बड़ा कारण है डेली लाइफ में अनहेल्दी खाने की आदात। अगर आप भी इन विटामिन्स की कमी से जूझ रहे हैं तो ये आर्टिकल आपके लिए ही है।

यहां हम आपको बताएंगे एक ऐसी पत्ती के बारे में जिसका सेवन न सिर्फ शरीर में इन विटामिन्स की कमी को पूरा करेगा। बल्कि शरीर को कई और फायदे भी पहुंचाएगा। ये हरी पत्ती न सिर्फ विटामिन बी A और विटामिन सी का एक अच्छा सोर्स है। बल्कि इसमें कई और तरह के पोषक तत्व भी पाए जाते हैं। तो चलिए आपको भी बताते हैं इस पत्ती के न्यूट्रिशन और फायदे के बारे में।

विटामिन ए और सी की कमी होगी दूर

हम बात कर रहे हैं, सहजन की पत्तियों की जो विटामिन ए और विटामिन सी का एक बेहतरीन स्रोत है। इसके अलावा भी इसमें कई न्यूट्रिशन पाए जाते हैं। हेल्थलाइन के मुताबिक, प्रोटीन, विटामिन बी6, आयरन, मैग्निशियन और कैलोरी भी होती है।वहीं, इसमें एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लामेटरी गुण भी होते हैं। अगर आप अपनी डाइट में मोरिंगा पत्ती को शामिल करते हैं तो विटामिन ए से लेकर सी की कमी को दूर कर सकते हैं।

सहजन की पत्तियां हैं वरदान

NCIB के मुताबिक, सहजन की पत्तियां विटामिन C संतरे से 7 गुना, विटामिन A गाजर से 10 गुना, कैल्शियम दूध से 17 गुना, प्रोटीन दही से 9 गुना और पोटेशियम केले से 15 गुना ज्यादा पाया जाता है। साथ ही ये आयरन का भी बेहतरीन स्रोत है। चलिए जानते हैं मिलने वाले कुछ जबरदस्त फायदे।

इम्यूनिटी बूस्ट करे- सहजन की पत्तियों की चाय आप सर्दियों में पी सकते हैं। इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट इम्यूनिटी को बूस्ट करने में मददगार है। जिससे सर्दी-जुकाम जैसी समस्याओं से बचाव होता है।

खून की कमी होगी दूर- अगर आपके शरीर में खून की कमी हो तो भी सहजन की पत्तियां काफी लाभकारी मानी जाती हैं। इसमें आयरन की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है, जिसकी वजह से ये शरीर में हीमोग्लोबिन को बढ़ाती है और खून की कमी को दूर करती है।

ब्लड शुगर कंट्रोल में मददगार- शुगर पेशेंट भी सहजन की पत्तियों का सेवन कर सकते हैं। ये इंसुलिन के लेवल को कंट्रोल में रखती है जिससे ब्लड शुगर लेवल बैलेंस में रहता है।

वजन घटाने में सहायक- सहजन की पत्तियां वेट लॉस में भी मददगार है। दरअसल, इसमें कैलोरी की मात्रा काफी कम होती है, जो वजन को कंट्रोल करने में हेल्पफुल है। वहीं, पत्तियों का सेवन मेटाबलॉजिल्म को तेज कर फैट को जमने से रोकता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाए- सहजन की पत्तियों में विटामिन ए भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जिसकी वजह से ये आंखों के लिए काफी फायदेमंद है। इसका सेवन करने से आंखों की रोशनी बढ़ती है और ड्राईनेस दूर होती है।

बैंक में एफडी है? तो ऑटो-रिन्यूअल का ये गणित समझ लें, वरना फायदे की जगह हो सकता है नुकसान

बैंक एफडी में 'ऑटो-रिन्यूअल' की सुविधा जितनी आसान है, यह उतनी नुकसानदेह भी हो सकती है। इसके जरिए कंपाउंडिंग के फायदे तो मिलते हैं, लेकिन आपका पैसा कम ब्याज दर पर लॉक होने का जोखिम हमेशा रहता है। बीच में एफडी तोड़ने पर पेनाल्टी भी लगती है। इसलिए, आंख मूंदकर रिन्यू करने के बजाय, हर मैच्योरिटी पर ब्याज दरों की समीक्षा जरूर करें।

फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) भारतीयों के बीच निवेश का सबसे सुरक्षित और भरोसेमंद तरीका माना जाता है। ग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए बैंक 'ऑटो-रिन्यूअल' की सुविधा देते हैं। इसमें मैच्योरिटी के बाद आपका पैसा अपने-आप एक नई FD में जमा हो जाता है। यह सुविधा देखने में जितनी आसान और फायदेमंद लगती है, असल में इसके कुछ छिपे हुए जोखिम भी हैं। अगर आप बिना सोचे-समझे इस विकल्प को चुन लेते हैं, तो आपको बेहतर रिटर्न से समझौता करना पड़ सकता है। इतना ही नहीं, अचानक पैसों की जरूरत पड़ने पर आपको पेनाल्टी भी देनी पड़ सकती है।

सुविधा के नाम पर कैसे हो सकता है घाटा

जब आपकी FD की अवधि पूरी होती है, तो बैंक मूलधन के साथ मिले हुए ब्याज को जोड़कर बिना आपसे पूछे एक नई FD बना देता है। यहीं से असली खेल शुरू होता है। नई FD हमेशा उसी दिन की ब्याज दरों पर बनती है जिस दिन पुरानी FD मैच्योर होती है। मान लीजिए, पहले आपको 7.15 फीसदी ब्याज मिल रहा था, लेकिन मौजूदा समय में दरें घटकर 6.15 फीसदी रह गई हैं। ऐसे में आपका पैसा कम ब्याज दर पर दोबारा लॉक हो जाएगा। इसके अलावा, एक बार पैसा लॉक हो जाने पर अगर आपको बीच में इसे तोड़ना पड़ा, तो समय से पहले निकासी (प्री-मैच्योर विड्रॉल) के चार्ज चुकाने पड़ेंगे। सबसे बड़ा नुकसान यह है कि आप बाजार में मौजूद दूसरे बैंकों के बेहतर ब्याज ऑफर से भी चूक जाते हैं।

लोग क्यों चुनते हैं सेट एंड फॉरगेट का रास्ता

इन तमाम जोखिमों के बावजूद यह सुविधा काफी लोकप्रिय है। इसे 'सेट एंड फॉरगेट' यानी एक बार निवेश करें फिर भूल जाएं वाली रणनीति कहा जाता है। इसकी सबसे बड़ी वजह है भागदौड़ से मुक्ति। निवेशकों को बार-बार बैंक जाने या इंटरनेट बैंकिंग के जरिए रिन्यू करने के झंझट से छुटकारा मिल जाता है। इसका एक बड़ा फायदा यह भी है कि आपका पैसा एक भी दिन के लिए खाली नहीं रहता। अगर पैसा सेविंग अकाउंट में पड़ा रहे, तो उस पर बहुत मामूली ब्याज मिलता है। जबकि ऑटो-रिन्यूअल में कंपाउंडिंग का सीधा फायदा मिलता है। आपका पिछला ब्याज भी अब मूलधन का हिस्सा बनकर कमाई करने लगता है। इससे आर्थिक अनुशासन बना रहता है और जमा पूंजी फिजूल खर्च होने से बच जाती है।

आपके लिए क्या है सबसे सही फैसला

अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि एक निवेशक को क्या करना चाहिए? वित्तीय मामलों के जानकारों का मानना है कि इसका जवाब पूरी तरह से आपकी आर्थिक जरूरतों पर निर्भर करता है। अगर आपको निकट भविष्य में पैसों की कोई जरूरत नहीं है, तो यह सुविधा आपके लिए बेहतरीन है। लेकिन, अगर बाजार में ब्याज दरें बढ़ रही हैं, तो थोड़ा सतर्क होना जरूरी है। ऐसी स्थिति में मैनुअल रिन्यूअल ज्यादा समझदारी का कदम है। इसके अलावा, अगर आपने कोई बड़ा खर्च प्लान किया है या आप किसी दूसरे बैंक में खाता खोलकर बेहतर ब्याज पाना चाहते हैं, तो खुद से FD की अवधि और रकम तय करें।

किसानों को आरबीआई का बड़ा तोहफा! किसान क्रेडिट कार्ड के नियमों में बड़ा बदलाव, लोन पाना होगा आसान

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) योजना के मानदंडों में संशोधन किया है। इसके तहत लोन मंजूर करने एवं चुकाने के कार्यक्रमों में एकरूपता लाने के मकसद से फसल सीजन की परिभाषा को एक जैसा किया गया है। आरबीआई (वाणिज्यिक बैंककेसीसी योजना) निर्देश 2026 अगले वर्ष जनवरी से लागू होंगे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि ये निर्देश केसीसी योजना के तहत बैंक प्रणाली से पर्याप्त और समय पर ऋण सहायता की रूपरेखा तैयार करने के लिए जारी किए जा रहे हैं। इसका मकसद खेती और उससे जुड़े कामों में लगे कर्जदारों की कार्यशील पूंजी और निवेश ऋण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करना है।

आरबीआई ने किया बदलाव

फसल मौसम की परिभाषा को आय पहचान और संपत्ति वर्गीकरण (आईआरएसी) नियमों के अनुरूप बनाने के लिए संशोधित किया गया है। निर्देशों के अनुसार, केसीसी योजना के उद्देश्य से अल्पावधि फसलों के लिए फसल मौसम की अवधि 12 माह तथा दीर्घावधि फसलों के लिए 18 माह निर्धारित की जाएगी। फसल मौसम से आशय फसल की बुवाई से लेकर उसकी कटाई और विपणन तक की अवधि से है।

लिमिट में नहीं किया इजाफा

केंद्रीय बैंक ने फरवरी में संशोधित केसीसी योजना पर मसौदा निर्देश जारी कर आम जनता और संबंधित पक्षों से सुझाव मांगे थे।

आरबीआई ने बिना जमानत वाले ऋण की सीमा बढ़ाने संबंधी सुझावों को अस्वीकार करते हुए कहा कि यह सीमा दिसंबर 2024 में ही बढ़ाई जा चुकी है और फिलहाल इसमें और वृद्धि का कोई प्रस्ताव नहीं है। हालांकि, दो लाख रुपये तक के कृषि लोन के लिए स्वेच्छा से सोना या चांदी गिरवी रखना कृषि क्षेत्र में बिना गारंटी ऋण संबंधी दिशा-निर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा।

18 हजार करोड़ जुटाने की तैयारी में एसबीआई-एक्सिस बैंक, आरबीआई की स्कीम से मिलेगा फायदा

भारतीय बैंकिंग और वित्तीय क्षेत्र की बड़ी संस्थाएं विदेशी बाजारों से पूंजी जुटाने की तैयारी में हैं। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI), एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा (BoB) और पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (PFC) मिलकर करीब 2 बिलियन डॉलर यानी लगभग 18 हजार करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रहे हैं। इन संस्थानों को भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की नई स्वैप सुविधा से लागत कम करने में मदद मिलेगी। माना जा रहा है कि अगले सप्ताह से विदेशी बॉन्ड बाजार में कई बड़े इश्यू देखने को मिल सकते हैं।

भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 5 जून को घोषित 1.15 प्रतिशत फिक्स्ड रेट स्वैप सुविधा का लाभ उठाने के लिए देश के बड़े बैंक और वित्तीय संस्थान विदेशी कमर्शियल बॉरोइंग (ECB) के जरिए धन जुटाने की तैयारी कर रहे हैं। इस योजना के तहत विदेशी मुद्रा में जुटाए गए फंड को कम लागत पर रुपये में परिवर्तित किया जा सकेगा, जिससे उधारी की कुल लागत घटेगी।

बाजार से जुड़े सूत्रों के अनुसार, SBI अगले सप्ताह 1 अरब डॉलर तक जुटाने पर विचार कर रहा है। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक होने के कारण विदेशी निवेशकों की इसमें अच्छी दिलचस्पी रहने की उम्मीद है। वहीं एक्सिस बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा और अन्य संस्थान शुरुआती चरण में 500 मिलियन डॉलर तक के छोटे इश्यू ला सकते हैं।

इन सभी संस्थानों के पास पहले से मीडियम टर्म नोट (MTN) प्रोग्राम मौजूद हैं। इसके कारण उन्हें नए बॉन्ड इश्यू के लिए दस्तावेजी प्रक्रिया में ज्यादा समय नहीं लगेगा। तैयार निवेशक आधार और पूर्व स्वीकृत ढांचे की वजह से ये संस्थान कम समय में बाजार में उतर सकते हैं। हाल ही में HDFC बैंक ने GIFT सिटी के जरिए 750 मिलियन डॉलर के पांच वर्षीय डॉलर बॉन्ड जारी कर सफलतापूर्वक पूंजी जुटाई थी। इस इश्यू को निवेशकों से अच्छा प्रतिसाद मिला। बैंक ने इसे अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड से सिर्फ 90 बेसिस पॉइंट ऊपर मूल्यांकित किया, जो किसी भारतीय निजी बैंक के लिए सबसे कम स्प्रेड में से एक माना गया।

रुपये को मजबूती देने की भी कोशिश

RBI की यह स्वैप सुविधा केवल सस्ती फंडिंग उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य विदेशी डॉलर प्रवाह बढ़ाकर रुपये को भी मजबूती देना है। वित्त वर्ष 2026 की शुरुआत में कमजोरी दिखाने वाला रुपया हाल के दिनों में सुधरकर 94.132 प्रति डॉलर के स्तर पर पहुंच गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि विदेशी निवेश और डॉलर प्रवाह बढ़ने से भारतीय मुद्रा को आगे भी समर्थन मिल सकता है।

'अधूरा युद्धविराम स्वीकार नहीं': हिजबुल्ला प्रमुख बोले- इस्राइल-अमेरिका हार चुके, ट्रंप पर भी लगाए कई आरोप

बेरूत, एजेंसी। पश्चिम एशिया में तनाव कम करने की कोशिशों के बीच हिजबुल्ला प्रमुख शेख नईम कासिम ने अमेरिका और इस्राइल पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने दावा किया है कि ईरान और क्षेत्र के प्रतिरोधी गुटों को खत्म करने की अमेरिका-इस्राइल की योजना पूरी तरह विफल हो चुकी है। कासिम ने आरोप लगाया कि लेबनान में इस्राइल की सैन्य कार्रवाई अमेरिका के समर्थन के बिना संभव नहीं थी। उन्होंने कहा कि हालिया संघर्ष के बाद पश्चिम एशिया एक नए दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां तथाकथित अमेरिकी-इस्राइली परियोजना को हार का सामना करना पड़ा है।

शेख नईम कासिम ने मध्य अशूरा परिषद को संबोधित करते हुए कहा कि ईरान ने भारी नुकसान और बलिदान झेलने के बावजूद खुद को पहले से अधिक मजबूत साबित किया है। उन्होंने कहा कि ईरान कभी भी अपने अधिकारों और क्षेत्रीय प्रभाव को नहीं छोड़ेगा। कासिम के मुताबिक, अमेरिका और इस्राइल ने क्षेत्र में प्रतिरोधी ताकतों को कमजोर करने की कोशिश की, लेकिन वे इसमें सफल नहीं हो सके। उन्होंने कहा कि अब क्षेत्र में नई राजनीतिक और सुरक्षा परिस्थितियां बन रही हैं।

क्या युद्धविराम के मौजूदा प्रस्तावों को हिजबुल्ला ने खारिज कर दिया है?

हिजबुल्ला प्रमुख ने उन युद्धविराम प्रस्तावों की आलोचना की, जिनमें इस्राइल को सैन्य कार्रवाई जारी रखने की छूट दी जाती है। कासिम ने कहा कि ऐसा कोई भी समझौता वास्तव में युद्धविराम नहीं, बल्कि आक्रामकता को जारी रखने का माध्यम है। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत में भी जब हिजबुल्ला ने युद्धविराम का पालन किया, तब इस्राइल ने समझौतों का उल्लंघन किया। उन्होंने साफ कहा कि संगठन ऐसे किसी भी प्रस्ताव को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूरी तरह सैन्य कार्रवाई बंद करने की गारंटी न हो।

हिजबुल्ला किस तरह के युद्धविराम की मांग कर रहा है?

कासिम ने कहा कि वास्तविक युद्धविराम का मतलब है कि हवा, जमीन और समुद्र से होने वाली सभी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद हों। इसके अलावा लेबनान में ढांचों को ध्वस्त करने की कार्रवाई भी समाप्त होनी चाहिए। उन्होंने यह भी मांग की कि इस्राइली सेना लेबनान के कब्जे वाले इलाकों से पूरी तरह पीछे हटे। हिजबुल्ला प्रमुख ने दावा किया कि संगठन को ईरान का मजबूत समर्थन प्राप्त है और तेहरान ने लेबनान की रक्षा को अपनी प्राथमिकताओं में शामिल किया है। उन्होंने यह भी कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करना एक प्रभावी रणनीतिक हथियार साबित हो सकता है।

अमेरिका और ट्रंप को लेकर हिजबुल्ला ने क्या कहा?

शेख नईम कासिम ने अमेरिका पर सीधे तौर पर इस्राइल का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी मदद के बिना लेबनान में मौजूदा स्तर का संघर्ष संभव नहीं था। कासिम ने दावा किया कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चाहें तो इस्राइल की सैन्य कार्रवाई को तुरंत रोक सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर वॉशिंगटन इस्राइल पर दबाव बनाए तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अमेरिकी मांग को ठुकरा नहीं पाएंगे। कासिम ने दोहराया कि हिजबुल्ला किसी ऐसे समझौते को स्वीकार नहीं करेगा, जिसमें पूर्ण युद्धविराम शामिल न हो।

क्या कूटनीतिक प्रयासों के बीच बदल सकता है पश्चिम एशिया का समीकरण?

हिजबुल्ला प्रमुख का यह बयान ऐसे समय आया है, जब अमेरिका और ईरान के बीच तकनीकी स्तर की बातचीत जारी है। पश्चिम एशिया में तनाव समाप्त करने के लिए 14 सूत्रीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाने के बाद कूटनीतिक गतिविधियां तेज हुई हैं। इस प्रक्रिया में लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियान को समाप्त करना भी एक अहम मुद्दा माना जा रहा है। ऐसे में हिजबुल्ला के ताजा बयान से संकेत मिलता है कि क्षेत्र में शांति स्थापित करने की राह अभी भी चुनौतीपूर्ण बनी हुई है।

ट्रंप की चेतावनी के बीच यूएस-ईरान ऐतिहासिक वार्ता शुरू, जेडी वेंस बोले- यह एक नई शुरुआत

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने रविवार को स्विट्जरलैंड में चल रही US-ईरान वार्ता को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पश्चिम एशिया में व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष विराम करने और तेहरान के साथ कूटनीतिक संबंधों को नए सिरे से शुरू करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। ल्यूसर्न झील के किनारे बने लग्जरी बर्गेनस्टॉक रिजॉर्ट में हो रही यह बातचीत 17 जून को दोनों पक्षों के बीच 14-सूत्रीय समझौता ज्ञापन (MoU) पर सहमति के बाद पहली वार्ता है। पाकिस्तान और कतर इस वार्ता में मध्यस्थ की भूमिका निभा रहे हैं।

वार्ता में कौन-कौन शामिल

अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, विशेष दूत स्टीव विटकॉफ और वरिष्ठ सलाहकार जेरेड कुशनर कर रहे हैं। वहीं ईरान की तरफ से विदेश मंत्री अब्बास अराघची, संसदीय स्पीकर मोहम्मद बाकर गालिबाफ के साथ सेंट्रल बैंक और तेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। यह वार्ता ऐसे समय हो रही है जब पिछले हफ्ते अमेरिका ने ईरान पर कड़ा हमला किया था।

'यह एक ऐतिहासिक बैठक है...'

बातचीत की शुरुआत में पत्रकारों से बात करते हुए जेडी वेंस ने इसे क्षेत्र के लिए संभावित रूप से परिवर्तनकारी क्षण बताया। उन्होंने कहा 'यह एक ऐतिहासिक बैठक है। अब हमारे सामने सवाल यह है कि हम साथ मिलकर और कितना कुछ हासिल कर सकते हैं? क्या हम एक नई शुरुआत कर सकते हैं?। क्या हम मध्य पूर्व में संबंधों को स्थायी रूप से बदल सकते हैं? या फिर हम पुराने तरीके पर लौट जाएंगे, जो हमारी पसंद नहीं है, लेकिन निश्चित रूप से ऐसा होने की पूरी संभावना है'।

राष्ट्रपति ट्रंप ने क्या संदेश दिया

वैंस ने कहा कि ट्रंप ने अमेरिकी टीम को ईरान के साथ संबंधों में मौलिक बदलाव लाने का निर्देश दिया था, यदि तेहरान उन गतिविधियों को छोड़ने की इच्छा दिखाता है जिन्हें वाशिंगटन अस्थिरता पैदा करने वाला मानता है। उन्होंने कहा 'राष्ट्रपति ट्रंप ने हमसे जो करने को कहा है, वह ईरान के लोगों के साथ हमारे संबंधों को बदलने के लिए एक नई शुरुआत करना है'। उन्होंने कहा 'अगर ईरान का नेतृत्व क्षेत्रीय अस्थिरता का कारण बनना छोड़ने को तैयार है, अगर वे लंबे समय के लिए परमाणु हथियारों की महत्वाकांक्षा छोड़ने को तैयार हैं, तो अमेरिका उस देश के साथ अपने संबंधों को मौलिक रूप से बदलने को तैयार है'। उपराष्ट्रपति ने साफ किया कि प्रशासन का मकसद अस्थायी रूप से शत्रुता समाप्त करने तक सीमित नहीं है। उन्होंने कहा 'ट्रंप पूर्ण क्षेत्रीय युद्धविराम सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं'। हालांकि उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इस तरह की व्यवस्थाओं को लागू करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के युद्धविराम हमेशा थोड़े पेचीदा होते हैं।वेंस ने लेबनान में हाल की प्रगति का जिक्र करते हुए कहा 'हमने पिछले कुछ दिनों में लेबनान में संघर्ष विराम कायम रखने में बड़ी प्रगति देखी है'

'ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता का प्रमुख कारण'

जेडी वेंस ने चल रही बातचीत पर उम्मीद जताते हुए कहा 'हमने पिछले कुछ घंटों में बड़ी प्रगति की है'। उन्होंने कूटनीति को दीर्घकालिक क्षेत्रीय स्थिरता का पसंदीदा रास्ता बताया। उन्होंने कहा 'ईरान क्षेत्रीय अस्थिरता का एक प्रमुख कारण रहा है। हम कूटनीति के जरिए मध्य पूर्व को बदलने के लिए मिलकर काम करने की कोशिश कर रहे हैं'। उन्होंने कहा कि सवाल यह है कि क्या हम मध्य पूर्व में संबंधों को स्थायी रूप से बदल सकते हैं। वेंस ने कहा कि ट्रंप ने वार्ताकारों को व्यापक समाधान खोजने का पूरा अधिकार दिया है।

'अपने देश वापस भी नहीं लौट पाओगे': होर्मुज पर ईरानी प्रतिनिधिमंडल को ट्रंप की सीधी चेतावनी, रखी ये मांग

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच स्विट्जरलैंड में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसका मकसद पश्चिम एशिया में तनाव को कम करना था। इस बैठक में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ शामिल हुए, वहीं ईरान का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने किया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने क्या कहा?

बैठक के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बड़ा बयान देते हुए ईरान को लेकर बेहद सख्त रुख अपनाया है। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य (Strait of Hormuz) को बंद करने की कोशिश की, तो अमेरिका उसे पूरी तरह तबाह कर देगा। फॉक्स न्यूज के मुताबिक, उन्होंने यहां तक कह दिया कि ऐसी स्थिति में ईरानी प्रतिनिधिमंडल अपने देश वापस भी नहीं लौट पाएगा।

फॉक्स न्यूज के मुताबिक, ट्रंप ने कहा कि अगर बातचीत नाकाम रहती है, तो अमेरिका इस समुद्री रास्ते पर अपना कब्जा कर सकता है। उन्होंने एक नया प्रस्ताव रखते हुए कहा कि वहां से गुजरने वाले तेल के जहाजों से उनकी कीमत का 20 प्रतिशत हिस्सा टैक्स (टोल) के रूप में वसूला जा सकता है। ट्रंप का तर्क है कि अमेरिका ने इस इलाके की सुरक्षा और समुद्री रास्तों को बचाने पर अरबों डॉलर खर्च किए हैं, इसलिए उसे यह पैसा वापस मिलना चाहिए। उन्होंने अमेरिकी सेना को इस क्षेत्र का 'गार्जियन एंजल' के तौर पर पेश किया और कहा कि सुरक्षा के बदले भुगतान मिलना जरूरी है।

बैठक में कौन हुआ शामिल?

यह तनावपूर्ण माहौल तब बना जब स्विट्जरलैंड के बुर्गेनस्टॉक रिसॉर्ट में दोनों देशों के बीच 'इस्लामाबाद समझौते' के तहत पहले दौर की बातचीत शुरू हुई। इस बैठक में अमेरिका की तरफ से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस, जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ शामिल हुए। ईरान का नेतृत्व विदेश मंत्री अब्बास अराघची और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने किया। इस चार पक्षीय चर्चा में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर और कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान अल थानी भी मौजूद रहे।

एक तरफ ट्रंप कड़े तेवर दिखा रहे थे, तो दूसरी तरफ जेडी वेंस ने बातचीत को लेकर थोड़ी उम्मीद जताई। वेंस ने कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के लोगों के साथ रिश्तों का एक नया अध्याय शुरू करना चाहते हैं। उन्होंने लेबनान में युद्धविराम को लेकर कुछ प्रगति होने की बात भी कही, हालांकि उन्होंने माना कि यह प्रक्रिया काफी उलझी हुई है।

ट्रंप ने सोशल मीडिया पर भी ईरान को घेरा। उन्होंने मांग की कि ईरान लेबनान में अपने समर्थित गुट हिजबुल्लाह को तुरंत रोके। ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर हिजबुल्लाह ने इस्राइल पर हमले बंद नहीं किए, तो अमेरिका ईरान पर पिछले हफ्ते से भी ज्यादा भीषण हमला करेगा।

ईरान ने भी अपनाया कड़ा रुख

दूसरी ओर, ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। ईरानी सरकारी ब्रॉडकास्टर IRIB से, ईरानी वार्ताकार मेहदी घोरबनजादेह ने कहा कि जब तक लेबनान के हालात नहीं सुधरते और ईरान को आर्थिक लाभ नहीं मिलता, तब तक परमाणु कार्यक्रम जैसे दूसरे मुद्दों पर कोई बात नहीं होगी। ईरान चाहता है कि अमेरिका प्रतिबंधों में ढील दे और उसकी रुकी हुई संपत्ति को वापस करे। ट्रंप की धमकियों से नाराज होकर ईरानी अधिकारियों ने फोटो खिंचवाने से मना कर दिया और बैठक बीच में ही छोड़कर बाहर निकल गए।

'राम मंदिर में चढ़ावा चोरी से हर सनातनी दुखी...', केजरीवाल बोले- 26 को जाऊंगा अयोध्या

नई दिल्ली, एजेंसी। अयोध्या श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले पर पूर्व मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा, श्री राम मंदिर में चढ़ावा चोरी से हर सनातनी बेहद दुखी है। उन्होंने बताया कि वो शुक्रवार को दर्शन के लिये श्री राम मंदिर जाएंगे। वहीं अरविंद केजरीवाल के इस पोस्ट पर मंत्री कपिल मिश्रा ने तंज कसा है। उन्होंने सवाल पूछा, जुम्मे की नमाज के पहले या उसके बाद ? दरअसल, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चंदा चोरी की खबरों के बीच शुक्रवार को अयोध्या राम मंदिर जाने का ऐलान किया है।

केजरीवाल ने क्या किया था दावा?

आम आदमी पार्टी (AAP) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने हाल ही में दावा किया था कि राम मंदिर चंदा चोरी के मामले में "बड़े नाम" शामिल हैं। उन्होंने कहा कि अगर उनकी पहचान उजागर हुई तो सरकार गिर सकती है। उन्होंने एक में कहा, "राम मंदिर करोड़ों हिंदुओं की आस्था का केंद्र है। उसी राम मंदिर से करोड़ों रुपये का चंदा चोरी हो गया, फिर भी एक भी FIR दर्ज नहीं की गई। सरकार किसे बचा रही है? इस पाप में शामिल लोग चाहे कितने भी बड़े क्यों न हों, उन्हें सीधे जेल में डालना चाहिए। करोड़ों लोगों की आस्था की रक्षा करना जरूरी है।"

केजरीवाल ने लिखा, "अयोध्या के राम मंदिर से करोड़ों रुपये का दान चोरी हो गया है। कहा जा रहा है कि करीब 200 करोड़ रुपये का कैश चोरी हुआ है। साथ ही, हीरे और गहनों से भरे कई बक्से भी चोरी हुए हैं। और एक भी FIR दर्ज नहीं की गई है। न तो UP पुलिस ने FIR दर्ज की, न ED ने और न ही CBI ने।" उन्होंने कहा, "केंद्र और UP, दोनों जगह उनकी (BJP) सरकारें हैं। न कोई रेड हुई, न कोई गिरफ्तारी।" इस मामले में शनिवार को हनुमानगढ़ी के मुख्य पुजारी महंत संजय दास ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बनाई गई स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (SIT) पर भरोसा जताया। उन्होंने कहा कि जांच से सच सामने आएगा और जो भी दोषी पाया जाए, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

बंगाल में बीजेपी सरकार का पहला बजट पेश, सरकारी कर्मचारियों का DA 20 फीसदी बढ़ा

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल में शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई में भारतीय जनता पार्टी (BJP) सरकार ने अपना पहला बजट पेश कर दिया। अपने पहले बजट में सरकार ने हर पक्ष को साधने की कोशिश की है। सरकार ने DA (महंगाई भत्ता) में भारी बढ़ोतरी का ऐलान किया है। साथ ही रिटायर्ड पत्रकारों को 5000 रुपये पेंशन दी जाएगी। बजट में उन लोगों को विशेष भत्ता में दिया जाएगा जिन्हें झूठे केस में जेल भेजा गया। साथ ही गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को एक बार में 21,000 रुपये दिए जाएंगे। पिंक कार्ड भी शुरू किया जाएगा। वित्त मंत्री स्वप्न दासगुप्ता ने शुभेंदु अधिकारी की अगुवाई वाली सरकार का 2026-27 का बजट पेश किया। वित्त मंत्री ने बजट पेश करते हुए कहा कि AI का असर पूरी दुनिया पर पड़ रहा है। हम पश्चिम बंगाल के लिए AI इम्पैक्ट प्रोग्राम शुरू कर रहे हैं।

ग्रेट निकोबार परियोजना पर कांग्रेस ने फिर उठाए सवाल, केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी। ग्रेट निकोबार द्वीप परियोजना को लेकर लगातार सवाल उठा रहे कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने केंद्रीय बंदरगाह, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को पत्र लिखा है। इस पत्र में जयराम रमेश ने परियोजना के तहत बनने वाले ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के विकास को लेकर कई स्पष्टीकरण मांगे हैं। पत्र में जयराम रमेश ने ट्रांसशिपमेंट पोर्ट के विकास के लिए निजी कंपनी की भागीदारी के लिए निविदाएं जारी करने की समय-सीमा और निजी कंपनी के चयन की प्रक्रिया की जानकारी मांगी है।

उन्होंने यह भी पूछा कि परियोजना में निजी क्षेत्र की न्यूनतम हिस्सेदारी 55 प्रतिशत निर्धारित की गई है, तो क्या 100 प्रतिशत निजी स्वामित्व की अनुमति होगी, या फिर सार्वजनिक संस्थाओं के लिए भी न्यूनतम हिस्सेदारी तय की गई है? जयराम रमेश ने प्रोजेक्ट से पर्यावरण को होने वाले नुकसान पर चिंता भी जताई।

निजी स्वामित्व और फंडिंग पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता ने कहा कि समिति के रिकॉर्ड के अनुसार परियोजना के विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) में कम से कम 55 प्रतिशत हिस्सेदारी किसी भारतीय स्वामित्व एवं नियंत्रण वाली इकाई के पास होनी चाहिए।

उन्होंने तीन प्रमुख सवाल उठाए

क्या 55 प्रतिशत न्यूनतम निजी हिस्सेदारी का मतलब है कि परियोजना में 100 प्रतिशत निजी स्वामित्व की अनुमति होगी?

क्या बंदरगाह क्षेत्र में स्वामित्व का विविधीकरण सुनिश्चित किया जाएगा या फिर हवाईअड्डों की तरह ऐसी स्थिति बनने दी जाएगी, जहां एक ही निजी कंपनी अधिकांश परिसंपत्तियां हासिल कर ले?

जब पीपीपीएसी ने परियोजना के लिए व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) अनुदान देने के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया है, तो क्या मंत्रालय अपने बजट से पूंजीगत सहायता उपलब्ध कराएगा?

कुणाल खेमू लेकर आए नई रियलिटी सीरीज अलायंस, 26 जून से अमेजन प्राइम वीडियो पर होगी स्ट्रीम

बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू जल्द ही रियलिटी शो होस्ट के रूप में अपना डेब्यू करने जा रहे हैं। वह नई सीरीज़ अलायंस को होस्ट करेंगे, जो 26 जून से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी। अलायंस, जॉन डी मोल द्वारा निर्मित और वैश्विक स्तर पर प्रशंसित टाल्पा स्टूडियोज के डच फॉर्मेट का पहला अंतरराष्ट्रीय रूपांतरण है। इस हिंदी रियलिटी शो को बनिजे एशिया ने प्रोड्यूस किया है। इस रियलिटी शो में 16 प्रतियोगी शुरुआत में तो सहयोगी के रूप में प्रवेश करेंगे, लेकिन अंतिम पुरस्कार (विजेता ट्रॉफी) की इस होड़ में बदलती वफादारी, आपसी छल और रणनीतिक दांव-पेच हर गठबंधन की कड़ी परीक्षा लेंगे। बनिजे एशिया के फाउंडर और ग्रुप सीईओ दीपक धर ने एक बयान में कहा, शो का नाम देखते हुए, यह कहना सही होगा कि हम इस प्रोजेक्ट के लिए प्राइम वीडियो के साथ जुड़कर बहुत उत्साहित हैं। इस फॉर्मेट की जिस बात ने हमें आकर्षित किया, वह थी इसका विशाल पैमाना। इसके गेम्स बड़े और सिनेमैटिक हैं और ऐसे हैं, जो हमने पहले कभी नहीं किए। उनके मुताबिक, सिर्फ़ दिखावे से कोई फ़ॉर्मेट शानदार नहीं बनता। अलायंस को जो चीज़ खास बनाती है, वह है रणनीति और परफॉर्मेंस के बीच लगातार चलने वाला तालमेल। इसमें कंटेस्टेंट्स को शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से चुनौती दी जाती है और हर चुनौती नए मौके और नई मुश्किलें लेकर आती है। यह फ़ास्ट, अनप्रेडिक्टेबल और बहुत ही डायनामिक है। प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड निखिल मधोक ने कहा, हम देश भर के दर्शकों के लिए अलायंस लाने को लेकर बहुत उत्साहित हैं। भारत के लिए अपनी तरह के इस पहले फॉर्मेट में अलायंस में स्ट्रैटेजी, बदलती वफ़ादारी और लगातार बदलते गेमप्ले का मेल होगा। यह एक ऐसा शानदार अनुभव देगा जो शुरू से आखिर तक हर दिन दर्शकों को बांधे रखेगा। उनके मुताबिक, ...'द ट्रेटर्स इंडिया' और काजोल व ट्विंकल के साथ 'टू मच' जैसे हमारे अनस्क्रिप्टेड शो को जो सफलता मिली है, वह अलग और हटकर रियलिटी कंटेंट की बढ़ती मांग को दिखाती है। एक्टर की बात करें तो, वह प्रीति जिंटा के साथ अपनी आने वाली फ़िल्मि वाइब की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। यह हाई-स्टेक्स एक्शन-कॉमेडी फ़िल्मि वाइब 18 सितंबर को रिलीज होगी। ड्रोंगो फिल्म्स के बैनर तले कुणाल खेमू और चिराग निहलानी द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म वाइब दो ऐसे पक्के दोस्तों की कहानी है, जिनकी आम जिंदगी अचानक एक ऐसे रोमांचक और जबरदस्त एडवेंचर में बदल जाती है, जो उनकी जान बचाने की हिम्मत और दोस्ती की परीक्षा लेता है।

अब होगा हिसाब की शूटिंग के दौरान घर जैसा महसूस हुआ, एक्ट्रेस निमरत कौर ने बताया अनुभव

अभिनेत्री निमरत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज अब होगा हिसाब को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वहपंजाब की लड़की का किरदार निभा रही है। इस सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस पर उन्होंने खुलकर बात की। निमरत कौर अहलूवालिया ने कहा, इस सीरीज में मैं पंजाब की लड़की का किरदार निभा रही हूं। चूंकि मैं खुद भी पंजाबी हूं, इसलिए शूटिंग के दौरान मुझे हर चीज काफी जानी-पहचानी लगी। पंजाब की भाषा, वहां के लोग और वहां की संस्कृति मेरे लिए कुछ भी नई नहीं थी। यही वजह रही कि किरदार निभाते समय मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ और मेरा प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से सामने आया। अभिनेत्री ने कहा, शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे मैं किसी सेट पर नहीं बल्कि अपने घर में हूं। आसपास का माहौल और लोगों से बातचीत के चलते मैं जल्दी ही उस वातावरण में घुल-मिल गईं। मेरा मानना है कि जब कलाकार अपने माहौल से जुड़ा हुआ महसूस करता है, तो उसका असर सीधे उसके अभिनय पर दिखता है। इसी वजह से मैं अपने किरदार में ज्यादा सहज और वास्तविक महसूस कर पाईं।

निमरत कौर ने कहा, इस प्रोजेक्ट में मुझे सबसे बड़ी राहत इस बात की थी कि मुझे किसी नई जगह या नई संस्कृति में खुद को ढालने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं बिना किसी दबाव के सीधे किरदार की भावनाओं पर ध्यान दे सकी और मैंने पूरी तरह से कहानी में खुद को डूबो दिया।

सीरीज की शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए उन्होंने बताया, इस पूरे सफर को खास बनाने में डायरेक्टर का बड़ा योगदान रहा। डायरेक्टर ने सेट पर ऐसा माहौल तैयार किया जिसमें हर कलाकार खुद को सहज महसूस कर सके। खासकर जब कहानी भावनात्मक रूप से भारी हो, तब एक सकारात्मक माहौल होना बहुत जरूरी होता है।

अभिनेत्री निमरत कौर ने कहा, पूरी टीम के बीच मजबूत तालमेल था। हर कोई एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रहा था। मेरे को-स्टार संजय कपूर के साथ काम करना भी मेरे लिए एक खास अनुभव रहा। वह भी मेरी तरह पंजाबी हैं, इसलिए हमारा अलग ही बॉन्ड था। शूटिंग के दौरान हमने खूब सारी बातचीत और हंसी-मजाक किया।

अभिनेत्री ने पंजाब के स्थानीय लोगों की तारीफ करते हुए कहा, यहां के लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया। कई बार स्थानीय परिवारों ने शूटिंग यूनिट के लिए अपने घर का बना खाना भेजा। जब लोग इस तरह से दिल से स्वागत करते हैं, तो शूटिंग टीम खुद को बाहरी नहीं, बल्कि उसी समुदाय का हिस्सा महसूस करने लगती है।

धनुष की फिल्म का टाइटल अनाउंस, ओम चैप्टर 1–उधिरम : द ब्लड वुड फर्स्ट लुक भी आया सामने, 16 अक्टूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी मूवी

साउथ सुपरस्टार धनुष पिछले लंबे समय से अपनी अपकमिंग फिल्म डी55 को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म के डायरेक्टर राजकुमार पेरियासामी हैं। ये दोनों की साथ में पहली फिल्म है। दर्शक इस एक्शन ड्रामा का बड़ी ही बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। अब फाइलनी धनुष की फिल्म डी55 का टाइटल अनाउंस हो गया है। इसके साथ मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। चलिए जानते हैं ये फिल्म कब रिलीज होगी।

धनुष की अपकमिंग फिल्म का नाम ओम चैप्टर 1- उधिरमः द ब्लड वुड है। फिल्म से एक्टर का फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, जिसमें उनका धांसू अवतार देखने को मिल रहा है। इस लुक में वो दमदार, इंटेंस और रॉ एक्शन वाइब दे रहे हैं। बारिश के बीच खड़े धनुष का पूरा अंदाज काफी डार्क और पावरफुल दिख रहा है।

ब्लैक शर्ट और जीन्स में धनुष का भीगा हुआ लुक इसे और ज्यादा एग्रेसिव बना रहा है। एक हाथ में बंदूक और दूसरे हाथ में कुल्हाड़ी थामे धनुष का ये अवतार बेहद खतरनाक और एक्शन से भरपूर नजर आ रहा है। ये फिल्म हिंदी के साथ तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज होगी।

ओम चैप्टर 1- उधिरमः द ब्लड वुड दो पार्ट में रिलीज होगी और इसका पहला पार्ट 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए पूरी तरह तैयार है। इस फिल्म को खुद धनुष प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म का म्यूजिक साई अभ्यंकर ने तैयार किया है। धनुष के अलावा इस फिल्म में ममूटी, साई पल्लवी और श्रीलीला जैसे एक्टर्स नजर आएंगे। फिल्म में एक्शन के साथ-साथ सस्पेंस भी देखने को मिलेगा।

स्वामी, प्रकाशक व मुद्रक प्रभात पांडेय द्वारा साई ऑफसेट प्रिंटर्स 40, वासुदेव भवन कैसरबाग, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 2/74, विक्रांत खंड, गोमती नगर, लखनऊ से प्रकाशित।
शाखा कार्यालय: S-15/109, सेक्टर -15, इंदिरा नगर, लखनऊ। समस्त लेख, रचनाओं एवं विज्ञापन में लेखन और विज्ञापनदाताओं के अपने विचार हैं। इसके लिए आर्यावर्त क्रांति की कोई जिम्मेदारी नहीं है। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र लखनऊ, उत्तर प्रदेश ही होगा। RNI No: UPHIN/2014/57034 Website: aryavartkranti.com
*सम्पादकः प्रभात पांडेय सम्पर्क: 9839909595, 8765295384 Email: aryavartkrantidainik@gmail.com